Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24 website- www.dvpnews.in रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 70 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, बुधवार 28 अगस्त 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

संसार मोह का परिणाम है, इस मोह के अंधकार को मिटाने के लिये यह जिनवाणी है।

This world is the offspring of delusion, this jinwani is for displling the darkness and delusion.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

पीएम की मीटिंग से पहले एक्शन मोड में पंजाब सरकार, पुलिस फोर्स की रखी मांग

चंडीगढ़ (आरएनएस)। पंजाब में हाईवे प्रोजेक्टों को लेकर जमीन अधिग्रहण में हो रही देरी के कारण प्रोजेक्ट के कैंसिल होने का खतरा मंडरा रहा है। वहीं इस मुद्दे को लेकर प्रधानमंत्री मोदी समीक्षा मीटिंग करने जा रहे है। इस मीटिंग से पहले पंजाब सरकार एक्शन मोड में नज़र आ रही है। पंजाब के मुख्य सचिव अनुराग वर्मा ने डीजीपी गौरव यादव को एक पत्र लिखा है। जिसमें उन्होंने डीजीपी से अनुरोध किया कि मालेरकोटला और कपूरथला में हाईवे के जमीन संबंधी एक्वायर करने के लिए पुलिस बल प्रदान करे, ताकि उक्त हिस्सों पर प्रोजेक्ट की जमीन संबंधी पूरा किया जा सकें।

राजस्थान से रवनीत बिट्टू बने राज्यसभा सांसद

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू आज राजस्थान से राज्यसभा सभा सांसद बन गए हैं। राज्यसभा सीट के लिए नामांकन की आज आखिरी तारीख थी। बिट्टू के सामने कांग्रेस ने कोई उम्मीदवार नहीं उतारा। वह निर्विरोध ही राज्यसभा सदस्य चुने गए हैं। रवनीत सिंह बिट्टू लंबे समय तक कांग्रेस में रहे हैं। वह हाल ही में लोकसभा का चुनाव लड़े थे, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। चुनाव में हार के बावजूद उन्हें केंद्रीय मंत्री पद की जिम्मेदारी दी गई थी।

राज्यपाल रमेन डेका ने न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) इंदर सिंह उबोवेजा को दिलाई प्रमुख लोकायुक्त पद की शपथ

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज यहां राजभवन में न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) श्री इंदर सिंह उबोवेजा को छत्तीसगढ़ लोक आयोग के प्रमुख लोकायुक्त पद की शपथ दिलाई। न्यायमूर्ति श्री इंदर सिंह उबोवेजा ने ईश्वर के नाम पर शपथ ली। अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती रेणु पिल्ले ने शपथ प्रक्रिया पूर्ण कराई। षपथ के पश्चात् राज्यपाल रमेन डेका एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पुष्पगुच्छ से श्री उबोवेजा का अभिवादन किया।

मिली जानकारी के अनुसार पत्रकारों चर्चा करते वक्त रिटायर्ड जस्टिस इंदर सिंह ने कहा कि उन्हें जो ज़िम्मेदारी मिली है उसका वे लोक आयोग क़ानून और संविधान के तहत काम करेंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ.रमन सिंह, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, पूर्व सांसद सुनील सोनी, अन्य जनप्रतिनिधिगण, पूर्व प्रमुख लोकायुक्त टी.पी. शर्मा, राज्य सूचना आयुक्त एन.के. शुक्ला, पूर्व सूचना आयुक्त मोहन राव पवार, पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा, राज्यपाल के सचिव यशवंत कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद, राज्यपाल के विधिक सलाहकार भीष्म प्रसाद पाण्डेय, संयुक्त सचिव श्रीमती हिना अनिमेष नेताम सहित, वरिष्ठ प्रशासनिक, पुलिस अधिकारी तथा श्री उबोवेजा के परिजन उपस्थित थे।

न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) इंदर सिंह उबोवेजा 27 जनवरी 2014 से 31 मई 2016 तक छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के जज रहे। उन्होंने न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) टी. पी. शर्मा का स्थान लिया है। शर्मा को 27 अक्टूबर 2018 को राज्य में प्रमुख लोकायुक्त नियुक्त किया गया था।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज नए आपराधिक कानूनों पर देंगे व्याख्यान

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय गृह अमित शाह बुधवार को नए आपराधिक कानूनों और नागरिक सुधारों पर व्याख्यान देंगे। इसका शीर्षक नए आपराधिक कानून नागरिक केंद्रित सुधार है। नई दिल्ली में पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के 54वें स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हो रहे गृहमंत्री कार्यक्रम में अपना व्याख्यान देंगे। वह ब्यूरो द्वारा प्रकाशित 'इंडियन पुलिस जर्नल' के विशेष संस्करण का विमोचन भी करेंगे जो नए आपराधिक कानूनों पर है।

इस दौरान गृह मंत्री वर्ष 2023 और 2024 के लिए विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक और सराहनीय सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक विजेताओं को सम्मानित करेंगे। गृह मंत्रालय के मुताबिक, पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो देश के पुलिस बलों को आवश्यक बौद्धिक, भौतिक और संगठनात्मक संसाधनों से लैस कर रहा है। ब्यूरो, पुलिसिंग और आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करने के लिए पुलिस बलों को स्मार्ट बनाने का काम कर रहा है। पुलिसिंग में उत्कृष्टता बढ़ाने के लिए ब्यूरो भारतीय पुलिस के थिंक टैंक के रूप में कार्य कर रहा है। इस संस्थान का काम पुलिस एवं सुधारात्मक सेवाओं के लिए नीतियों और कार्य प्रणालियां विकसित करना, प्रौद्योगिकियों की खोज करना, कानून प्रवर्तन एजेंसियों का क्षमता निर्माण और राज्यों तथा केन्द्रीय पुलिस संगठनों के बीच सहयोग और समन्वय को बढ़ावा देना है। स्थापना समारोह में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के महानिदेशक, केन्द्रीय पुलिस संगठनों के प्रमुखों के साथ-साथ गृह मंत्रालय एवं अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे।

भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य कानून देश में लागू हो चुके हैं। गृह मंत्रालय के मुताबिक, इस बदलाव से एक ऐसी प्रणाली स्थापित होगी जिससे तीन साल में किसी भी पीड़ित को न्याय मिल सकेगा। ये कानून संसद ने बीते शीतकालीन सत्र में पारित किए गए थे। ये नए कानून भारत में ब्रिटिश राज से चले आ रहे भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और एविडेंस एक्ट का स्थान ले चुके हैं।

चंपई सोरेन ने भाजपा में शामिल होने की पुष्टि की, कहा- पहले सोचा संन्यास ले लूं

नई दिल्ली (आरएनएस)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन जल्द ही भारतीय जनता पार्टी का दामन थामने वाले हैं। उन्होंने खुद मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए इसकी पुष्टि की।

चंपई सोरेन ने कहा कि जब मैं 18 अगस्त को आया था, तब मैंने अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी थी। पहले तो मुझे लगा कि मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा, लेकिन फिर जनता के समर्थन के कारण मैंने ऐसा नहीं करने का फैसला किया। पहले तो मैंने सोचा संगठन बनाऊंगा, मगर इसके लिए अभी समय की कमी है। झारखंड की अपनी कुछ अलग परिस्थितियां हैं। बहुत मंथन करने के बाद मेरा प्रधानमंत्री और गृह मंत्री अमित शाह पर विश्वास बढ़ा और मैंने भाजपा में शामिल होने का निर्णय किया।

जब मीडिया ने उनसे पूछा कि क्या वह 30 सितंबर को भाजपा में शामिल हो रहे हैं, तो उन्होंने कहा, हां। चंपई सोरेन सोमवार को राजधानी दिल्ली पहुंचे और देर रात केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झटका देकर उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेता चंपई सोरेन को भाजपा के साथ जोड़ने में अहम भूमिका निभाने वाले असम के मुख्यमंत्री एवं झारखंड के चुनाव सह-प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने उनके भाजपा में शामिल होने की घोषणा की। हिमंता बिस्वा सरमा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, चंपई सोरेन और अपनी मुलाकात की तस्वीर को शेयर करते हुए एक्स पोस्ट में बताया, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और देश के प्रतिष्ठित आदिवासी नेता चंपई सोरेन जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। वह 30 अगस्त को रांची में आधिकारिक तौर पर भाजपा में शामिल होंगे।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने 29 उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की

नई दिल्ली (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने मंगलवार को 29 उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी कर दी। तीसरी सूची में दूसरे चरण में मतदान वाली 10 और तीसरे चरण में मतदान वाली 19 विधानसभा सीटों पर उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया गया है। भाजपा ने नगरोटा से देवेंदर सिंह राणा, हब्बाकदल से अशोक भट्ट, गुलाबगढ़ से मोहम्मद अकरम चौधरी, रियासी से कुलदीप राज दुबे, श्री माता वैष्णो देवी से बलदेव राज शर्मा, कालाकोट सुंदरबनी से ठाकुर रणधीर सिंह, बुधल से चौधरी जुल्फिकार अली, थन्नामंडी से मोहम्मद इकबाल मलिक, सुरनकोटे से सैयद मुश्ताक अहमद बुखारी और पुंछ हवेली से चौधरी अब्दुल गनी को टिकट दिया है।

मेंढर से मुर्तजा खान, उधमपुर पश्चिम से पवन गुप्ता, रामनगर से सुनील भारद्वाज, बनी से जीवन लाल, बिलावर से सतीश शर्मा, जसरोटा से राजीव जसरोटिया, जम्मू पूर्व से युद्धवीर सेठी, जम्मू पश्चिम से अरविंद गुप्ता, जम्मू उत्तर से शाम लाल शर्मा, अखनूर से मोहन लाल भगत और छम्ब से राजीव शर्मा को मैदान में उतारा गया है। इससे पहले भाजपा ने सोमवार को अपनी पहली सूची में 15 और दूसरी सूची में एक उम्मीदवार के नाम की घोषणा की थी। भाजपा जम्मू-कश्मीर को लेकर अपनी तीनों सूचियों को मिलाकर अब तक 45 उम्मीदवार के नाम का ऐलान कर चुकी है।

25 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा-रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में माओवादी उन्मूलन अभियान के अंतर्गत पुलिस के बढ़ते प्रभाव के कारण कुल 29 लाख के इनामी सहित 25 नक्सलियों ने बीजापुर जिले में आत्मसमर्पण किया इनमें शामबती मड़कम (इनाम 8 लाख), ज्योति पूनेम (8 लाख), महेश तेलम (8 लाख), विष्णु करटम ऊर्फ मींगू (3 लाख), जयदेव पोडियाम (1 लाख), गुड्डु ककेम (10,000), सुदरू पूनेम (10000), सन्नू पोड़ियाम, बासु पोड़ियाम, मोटूराम तेलम, सोमारू तेलम, सोमलू पोटाम, राजू वंजाम, सुखराम तेलम, आयतु तेलम, संतोष तेलम ऊर्फ धोबीराम, बिज्जू तेलम, राकेश फरसीक, बुदरू पूनेम, कोया पूनेम ऊर्फ सुखराम, सांतो पूनेम, छोटू पोटाम ऊर्फ जोम्मा, सुक्कू कुडियम, पाकलू पूनेम एवं रमेश अवलम शामिल हैं। आत्मसमर्पण के पश्चात उक्त नक्सलियों को छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन एवं पुनर्वास नीति के तहत सहायता राशि और अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना : मकानों के लिए निगम में उमड़ी भीड़

1133 मकानों हेतु निगम को मिले 4500 आवेदन, टोकन सिस्टम से प्रतिदिन 300 आवेदकों के दस्तावेजों का हो रहा परीक्षण, आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने किया निरीक्षण

रायपुर (आरएनएस)। प्रधानमंत्री आवास योजना के मकानों को नागरिकों का राजधानी शहर रायपुर में नगर पालिक निगम को जबरदस्त प्रतिसाद मिला है। नगर निगम रायपुर द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत कचना, दलदल सिवनी, सोनडोंगरी एवं मठपुरैना में निर्मित 1133 मकानों के लिए दिनांक 13 अगस्त 2024 तक आवेदन मंगाए गए। इस हेतु 4500 नागरिकों के आवेदन नगर निगम रायपुर को प्राप्त हुए। विगत दिनांक 14 अगस्त 2024 से प्रतिदिन कार्यालयीन दिवस पर सुबह 10.30 बजे से दोपहर 11.30 बजे तक 300 आवेदकों को टोकन जारी कर उक्त दिवस उनके द्वारा दिए गए ऑनलाइन दस्तावेजों का परीक्षण का कार्य प्रतिदिन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्मित मकानों को प्राप्त करने नगर निगम मुख्यालय भवन में भीड़ उमड़ पड़ी है। आज नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा ने निगम मुख्यालय भवन के चतुर्थ तल पर निगम सामान्य सभा सभागार में पहुंचकर प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत टोकन के आधार पर आवेदकों के ऑनलाइन दस्तावेजों का परीक्षण किये जाने के कार्य का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। आयुक्त ने निर्देश दिए हैं कि प्रधानमंत्री आवास योजना के मकानों हेतु आवेदन करने वाले नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा ना हो, इस बात का ध्यान रखा जाये। उन्होंने दस्तावेजों का परीक्षण करवा रहे आवेदकों से भी चर्चा की।

2 सितंबर से शुरू होगा भाजपा का सदस्यता अभियान, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे शुभारंभ : विनोद तावड़े

नई दिल्ली (आरएनएस)। लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने नए सिरे से संगठन को मजबूत करने का काम शुरू कर दिया है और 2 सितंबर से सदस्यता अभियान की शुरुआत करने जा रही है।

भाजपा के महासचिव विनोद तावड़े ने कहा कि सशक्त भाजपा- विकसित भारत की दिशा में कदम बढ़ाते हुए विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक और सर्वाधिक सदस्यों वाली पार्टी पूरे देश में भाजपा सदस्यता अभियान 2024 का शुभारंभ करने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 सितंबर 2024 को भाजपा के सदस्यता अभियान का शुभारंभ करेंगे। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी- अंडमान निकोबार तक और कच्छ से लेकर कामरूप तक पूरे देश में समस्त राज्यों में विभिन्न स्थानों पर दिनांक 2 सितंबर 2024 से सदस्यता अभियान के इस संगठन महापर्व का शुभारंभ किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भाजपा के सभी वरिष्ठ नेताओं द्वारा मिस कॉल से पुनः सदस्यता ली जाएगी। सदस्यता अभियान 2024 देश के सभी इच्छुक नागरिकों को भारतीय जनता पार्टी से जुड़ने और देश के विकास में कदम से कदम मिलाकर योगदान देने हेतु एक सुअवसर है। भाजपा को सर्वव्यापी, सर्वस्पर्शी एवं सर्व समावेशी बनाना इस अभियान का उद्देश्य है। भाजपा के प्राथमिक सदस्य बनाने हेतु सदस्य अभियान का पहला चरण 2 से 25 सितंबर तक और दूसरा चरण 1 से 15 अक्टूबर तक चलाया जाएगा। साथ ही पार्टी का सदस्य सक्रिय सदस्य बनाने हेतु 16 से 31 अक्टूबर के दौरान सक्रिय सदस्यता अभियान चलाया जाएगा।

भाजपा के लिए सदस्यता अभियान केवल एक जनसंपर्क अभियान नहीं है बल्कि अधिक से अधिक लोगों को पार्टी के विचारधारा से जोड़ना है। भाजपा कार्यकर्ताओं की विशेषता बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि देश के लिए जीना- मरना, एक विचारधारा को लेकर डटे रहना, भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं की विशेषता है। भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि पार्टी भारतीय जनता पार्टी एक दल नहीं है, एक विचार है, जिसका ध्येय राष्ट्र निर्माण है, जनकल्याण है इस सदस्यता अभियान का प्रमुख उद्देश्य है कि जन-जन को भाजपा की राष्ट्र निर्माण की भावना, पार्टी की विचारधारा और 2047 तक भारत को एक पूर्ण रूप से विकसित राष्ट्र बनाने की योजना से जोड़ना और संगठित करना। साथ ही राष्ट्रीय स्तर से लेकर प्रदेश, शहर, गांव और बूथ स्तर तक पार्टी का व्यापक विस्तार करना है।

पिछली सरकार में जो नाम किए सो किए, अब आगे काम हमारा है : डिप्टी सीएम

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में नामकरण की राजनीति नई नहीं बहुत पुरानी है. सरकार बदलने के साथ ही योजनाओं से लेकर चौक-चौराहों, स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालयों के नामकरण को लेकर सियासत होती रही है. सरकारें किसी की भी रही हो नामकरण को लेकर सियासी बवाल मचते रहा है. जैसे कि अब की बार भाजपा सरकार में पक्ष और विपक्ष के बीच वार-पलटवार के साथ देखने को मिल रहा है.

दरअसल भाजपा सरकार ने नवा रायपुर के चौक-चौराहों के नामकरण के लिए एक समिति का गठन किया है. समिति की ओर सुझाए गए नामों पर सरकार चौक-चौराहों का नामकरण करेगी. लेकिन इसे लेकर विपक्ष की ओर से सवाल खड़ा किया गया है कि पुरखों के नामों के साथ खिलवाड़ न किया जाए. भाजपा की सरकार नामकरण की राजनीति न करें.

इस मामले में आज उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने स्पीकर हाउस में आयोजित एक साहित्यिक कार्यक्रम में साहित्यकारों, इतिहासकारों और संस्कृतिकर्मियों के बीच कहा कि भाजपा नाम बदलने पर नहीं, काम करने पर विश्वास करती है. सभी को पता है कि भारत की सबसे बड़ी सुनियोजित सिटी बनाने काम डॉ. रमन सिंह की सरकार शुरू हुआ था. अब राज्य में फिर से भाजपा की सरकार है तो नवा रायपुर को विकास को लेकर फिर से तेजी से काम शुरू हो गया है, जो कि पिछली सरकार में नहीं हो सका था. विपक्ष को लग रहा है कि नवा रायपुर के नामकरण को लेकर हम राजनीति कर रहे हैं.

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने ट्राइबल यूथ हॉस्टल का किया निरीक्षण, छात्रों से किया संवाद

नई दिल्ली के द्वारका में स्थित छत्तीसगढ़ निवास का अवलोकन, सुविधाओं में सुधार के दिए निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज नई दिल्ली के द्वारका में स्थित ट्राइबल यूथ हॉस्टल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने हॉस्टल में रह रहे छात्रों से मुलाकात की और उनकी शैक्षिक प्रगति और जीवनशैली के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस हॉस्टल में अनुसूचित जनजाति (एसटी), अनुसूचित जाति (एससी), और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्र रह कर विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ लोकनिर्माण विभाग के सचिव कमलप्रीत सिंह भी इस दौरे में उनके साथ उपस्थित थे।

हॉस्टल में छात्रों से बातचीत करते हुए उपमुख्यमंत्री ने उनकी समस्याओं और चुनौतियों को ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने कहा, "आप सभी हमारे राज्य का भविष्य हैं और सरकार आपकी शिक्षा और विकास के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने लक्ष्यों के प्रति समर्पित रहें और राज्य के विकास में योगदान दें। छात्रों ने अपनी पढ़ाई और हॉस्टल में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में बताया, और कुछ बुनियादी आवश्यकताओं की ओर भी ध्यान दिलाया। उपमुख्यमंत्री श्री साव ने उनकी समस्याओं को दूर करने के लिए तुरंत कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

इस संवाद के दौरान उपमुख्यमंत्री ने छात्रों को बताया कि सरकार उनके लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि छत्तीसगढ़ सरकार आदिवासी, अनुसूचित जाति और पिछड़े वर्ग के छात्रों की शिक्षा और उनके भविष्य के प्रति गंभीर है और इस दिशा में लगातार कदम उठा रही है।

ट्राइबल यूथ हॉस्टल के निरीक्षण के बाद, उपमुख्यमंत्री श्री साव ने द्वारका में स्थित छत्तीसगढ़ निवास का भी दौरा किया। उन्होंने वहाँ की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और यह सुनिश्चित किया कि छत्तीसगढ़ से दिल्ली आने वाले नागरिकों और अधिकारियों के लिए उचित सुविधाएँ उपलब्ध हो। इस दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ निवास के कर्मचारियों से मुलाकात की और उन्हें निर्देश दिया कि वे राज्य के लोगों की सेवा में सदैव तत्पर रहें।

उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव के इस दौरे का उद्देश्य राज्य के छात्रों और नागरिकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं को बेहतर बनाना और उनकी समस्याओं का समाधान करना था।

विधायक देवेन्द्र यादव की रिमांड 7 दिनों के लिए बढ़ाई गई

रायपुर (आरएनएस)। कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव की न्यायिक रिमांड 7 दिनों के लिए बढ़ा दी गई है। मंगलवार को रिमांड खत्म होने पर रायपुर जेल में बंद विधायक देवेंद्र यादव की पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हुई। बलौदाबाजार कोर्ट ने 3 सितंबर तक के लिए उनकी रिमांड बढ़ा दी है। बलौदाबाजार हिंसा मामले में पुलिस ने 17 अगस्त को देवेंद्र यादव को गिरफ्तार किया था।

बता दें कि जिले के गिरौदपुरी में सतनाम समाज के आस्था के केंद्र अमर गुफा में स्थित महकोनी मंदिर परिसर में असामाजिक तत्वों ने तोड़फोड़ की थी। जैतखाम में तोड़फोड़ की घटना से आक्रोशित समाज के लोगों ने सीबीआई जांच की मांग की थी। इस मामले में पुलिस ने संदिग्ध आरोपियों को हिरासत में लिया है।

श्री रामलला दर्शन योजना : छत्तीसगढ़ के 850 श्रद्धालु अयोध्या के लिए रवाना

राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

श्रद्धालु काशी विश्वनाथ का भी करेंगे दर्शन

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के पहल पर शुरू की गई श्री रामलला दर्शन योजना के तहत चलाई जा रही विशेष ट्रेन आज रायपुर रेल्वे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-07 से रवाना हुई। राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया। इस विशेष ट्रेन से 850 श्रद्धालुओं का जत्था अयोध्या धाम के लिए रवाना हुआ। इस यात्रा से श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है। श्रद्धालुगण भगवान राम का जय-जयकार करते हुए अयोध्या धाम के लिए निकल चुके हैं।

ट्रेन में श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए भक्तिमय माहौल में श्री रामलला के दर्शन को जा रहे है। इस दौरान विधायक श्री मोतीलाल साहू, पूर्व विधायक श्रीमती रंजना डीपेन्द्र साहू, श्री नन्दे साहू, पूर्व अध्यक्ष सीएसआईडीसी श्री छगनलाल मुंदड़ा सहित जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। रामलला दर्शन के लिए जाने वाले दर्शनार्थियों ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने श्री रामलला दर्शन के लिए योजना की शुरूआत की है। इसके लिए मुख्यमंत्री का बहुत-बहुत धन्यवाद। अयोध्या के दर्शन हम जैसे लोगों के लिए असंभव था, लेकिन मुख्यमंत्री की पहल पर आज हमें अयोध्या में श्री रामलला के दर्शन संभव हुआ है। आज अयोध्या के लिए रवाना हो रहे है और हमें बहुत खुशी हो रही है। अयोध्या में श्री रामलला के भव्य और सुंदर मंदिर बनाए गए है। श्री रामलला के दर्शन के लिए यात्रा से बहुत खुशी हो रही है।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, बुधवार 28 अगस्त 2024
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

स्वास्थ्य विभाग कर रहे हैं नेत्रदान के लिए जागरूक, चरौदा में हुआ बच्चों का नेत्र परीक्षण

आरंग (विश्व परिवार)। स्वास्थ्य विभाग 25 अगस्त से 8 सितंबर तक नेत्रदान पखवाड़ा मनाते हुए जनसमुदाय को नेत्रदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है। वहीं मंगलवार को विकासखंड के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चरौदा में स्कूली बच्चों का नेत्र परीक्षण किया गया। इस मौके पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आरंग के नेत्र सहायक अधिकारी अन्नपूर्णा वर्मा ने सभी बच्चों का नेत्र परीक्षण किया।साथ ही बच्चों को नेत्रदान की प्रक्रिया के बारे में बताते हुए कहा बहुत लोग नेत्रदान की प्रक्रिया की जानकारी के अभाव में नेत्रदान नहीं कर पाते। सामान्यत: 5 से 60 वर्ष तक के व्यक्ति नेत्रदान कर सकते हैं।नेत्रदान से दो लोगों को रोशनी मिल सकती है।इसलिए स्वास्थ्य विभाग नेत्रदान पखवाड़ा के तहत् विभिन्न विद्यालयों व जनसमुदायों को नेत्रदान के लिए प्रेरित व जागरूक कर रहें है।इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षक महेन्द्र कुमार पटेल, अशोक चंद्राकर ,सूर्यकांत चंद्राकर ,दीनदयाल धीवर, शिक्षिका संगीता पाटले सहित बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों की उपस्थिति व सहभागिता रही।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव राजधानी के थाना सिटी कोतवाली में कृष्ण लीला मंचन कर मनाया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी में श्री कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव एवं विकास समिति द्वारा जन्मोत्सव बहुत ही उत्साह के साथ श्री कृष्ण लीला मंचन कर रायपुर के सिटी कोतवाली थाना में मनाया गया कारागार बंदीगृह में भगवान श्री कृष्ण का प्राकट्य उत्सव रात्रि में मनाया गया जिसमें श्री कृष्ण लीला का मंचन किया गया। संस्कार भारती छत्तीसगढ़ के प्रांत सह महामंत्री प्रसिद्ध कलाकर्मी डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर मथुरा के राजा कंस की भूमिका में उपस्थित दर्शकों को अपनी कला से झंकृत कर दिया आकाशवाणी से जब सुना की देवकी का आठवां लाल तुम्हारा काल होगा तब उन्होंने देवकी और वासुदेव को कारागार- बंदी गृह में डाल दिया। ठीक 12 भगवान श्री कृष्ण का जन्म हुआ वासुदेव और माता देवकी ने कारागार से बालक कृष्ण को टोकरी में रखकर सदर बाजार गोपाल मंदिर भक्तों के दर्शनार्थ ले गए। कार्यक्रम के संयोजक प्रसिद्ध समाजसेवी माधव यादव जी डॉ मनोज ठाकुर, ललित काकड़े, एवं श्री कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव एवं विकास समिति के सभी सम्माननीय गण बहुत ही उत्साहपूर्वक सहयोग किये। **-डॉ पुरुषोत्तम चंद्राकर**

सीएमएचओ ने किया अस्पतालों का औचक निरीक्षण, गुणवत्ता पूर्ण सुविधा बढ़ाने दिए निर्देश

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश पर सीएमएचओ डॉ.राजेश कुमार अवस्थी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लवन और कसडोल का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।इस दौरान आपातकालीन स्थिति में आये मरीज को तुरन्त अटेंड करने के लिए ट्राईएज (गंभीर मरीज़ों को तुरंत इलाज उपलब्धता हेतु व्यवस्था) तत्काल बनाया जाए। तथा, बेड, मॉनिटर, ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर, जैसी जरूरी आपातकालीन सुविधा बनाई जाये। साथ ही यह सुनिश्चित हो कि किसी भी हाल में इमरजेंसी मरीज को सबसे पहले अटेंड करने के निर्देश संबधित अधिकारियों को दिए हैं। जांच के दौरान उन्होंने, ओपीडी, नर्सिंग रूम, लेबर रूम, लैब, दवाई स्टोर, फार्मेसी का भी निरीक्षण किया।

काम में लापरवाही बरतने वाले जल जीवन मिशन के 5 ठेकेदार ब्लैक लिस्टेड

70 ठेकेदारों को पेनाल्टी के साथ कार्यों में दी समय वृध्दि की अनुमति

कलेक्टर की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन अंतर्गत जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक हुई सम्पन्न

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। बलौदाबाजार कलेक्टर दीपक सोनी की अध्यक्षता में संयुक्त जिला कार्यालय में जल जीवन मिशन अंतर्गत जिला जल एवं स्वच्छता मिशन समिति की बैठक सम्पन्न हुई। कलेक्टर ने कामकाज में धीमी प्रगति के चलते 5 ठेकेदारों को ब्लैक लिस्टेड करने की कार्रवाई की गई है।

जिसमें सौमित्र कन्सट्रक्शन जांजगीर, परिजात कन्सट्रक्शन जांजगीर,रेखचंद अग्रवाल रायपुर,राघव कन्सट्रक्शन जांजगीर एवं सुनील अग्रवाल बाराद्वारा शामिल है। उक्त फर्म बार-बार चेतावनी एवं नोटिस के बावजूद कार्य में सुधार नहीं ला पा रहे थे जिस कारण सख्त कार्रवाई की गई है।

इसके साथ ही जिले में 190 कार्यों के लगभग 70 कन्सट्रक्शन कम्पनियों को पेनाल्टी के साथ उनके कार्य में समय वृध्दि कर अनुमति प्रदान की गई है। कलेक्टर ने दो टूक कहा कि जल जीवन मिशन में किसी भी की तरह की कार्यो में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत कार्य शुरू होने से पहले इंजीनियर यह सुनिश्चित कर लें कि सम्बंधित गांव में जल स्रोत की उपलब्धता हो। बिना जल स्रोत उपलब्धता के कोई भी काम शुरू न होने दें। सभी इंजीनियर ठेकेदार द्वारा कराए जा रहे कार्यों का मॉनिटरिंग करें और प्रगति के लिए लगातार फॉलो अप करते रहें। पाईप लाईन के बिछाने के कार्य के साथ ही साथ टंकी निर्माण का कार्य भी शुरू करें जिससे समय पर सभी काम पूरा हो सके।

उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर जल स्रोत व बिजली की समस्या है वहां स्थल भ्रमण कर जांच करें। उन्होंने कार्य पूर्ण होने के बाद हैंड ओवर लेने में सरपंचों के द्वारा रुचि नही लेने के मामले पर भी आवश्यक समन्वय करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने पाइप लाइन बिछाने के लिए खोदे जाने वाले गड्ढों को खुला छोड़ने की स्थित को गंभीरता से लेते हुए गड्ढों की पुन: भराई कराने के निर्देश ठेकेदारों को दिए। इसके साथ ही जिन ग्राम पंचायतों में जल जीवन मिशन का कार्य किया जा रहा है वहां पर शत प्रतिशत ग्राम पंचायत, छात्रावास, स्कूल, हास्पिटल, आंगनबाड़ी केन्द्रों में शतप्रतिशत रनिंग वाटर सप्लाई पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए है।

इसके साथ ही कलेक्टर ने विभाग द्वारा किए जा रहे पानी टंकी निर्माण एवं हर घर जल योजना में हो रहे कार्य की प्रशंसा की है। जिला कार्यालय को प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के कुल 736 ग्रामों में कुल 616 पानी टंकी स्वीकृति की गई है। जिसमें से 263 पानी टंकी का निर्माण पूर्ण हो गया है एवं 336 पानी टंकी निर्माण प्रगतिरत है आने वाले एक महीने के भीतर लगभग 100 पानी टंकियां पूरी तरह बनकर तैयार हो जायेगी।

गोविंदा की टोलियां ने 60 से अधिक मटकी फोड़ी, गोपियों का वेश धारण कर बच्चों ने मटकियां फोड़ी

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर राधा कृष्ण और गोपिया बने ज्ञानदीप स्कूल के बच्चों ने निकाली शोभायात्रा

नवापारा राजिम (विश्व परिवार)। विगत 22 वर्षों से कृष्ण जन्माष्टमी पर्व की परंपरा को बनाए रखते हुए ज्ञानदीप शिशु मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थी यों ने सोमवार को कृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर डीजे के गानों के साथ नंद घर आनंद भयो जय कन्हैया लाल की गूंज के साथ गोप गोपियाओ बने कृष्ण की टोलिया हाथ में लाठी लेकर मटकी फोड़ मक्खन दही लूट कर खाते हुए छात्र-छात्राओं ने शोभा यात्रा निकाली स्कूल परिसर में राधा कृष्ण का वेश धारण किए हुए छात्र-छात्राओं को स्कूल के अध्यक्ष संतोष तिवारी समाज सेवी अक्षय अग्रवाल एवं प्राचार्य रेखा तिवारी ने पूजा अर्चना कर तिलक लगाकर उनकी आरती की है तत्पश्चात राधा कृष्ण मीरा बलराम गोपियों का वेश धारण किये बच्चे आचार्य चेतन चौहान अशोक तिवारी सुनील कंसारी प्रमोद अग्रवाल के मार्गदर्शन में गाजे बाजे के साथ रिक्शा में बैठकर विद्यालय परिसर से गंज रोड पहुंच वहां बंधे मटके को फोड़ते हुए नगर में आगे बढ़ते चले गए अनेक पात्रों का रूप धारण किए हुए श्री कृष्ण के टोलिया गाजे बाजे के साथ नगर के चौक चौराहा पर आला रे आला गोविंदा आला के गीतों पर नाचते 60 से अधिक मटको को तोड़ा नंद की टोली और गोपियों के डांडिया नृत्य से पूरा नगर कृष्णमय हो गया कई जगह पर नगर के कृष्ण प्रेमियों ने बच्चों के उत्साह वर्धन के लिए पानी और स्वलपाहार का इंतजाम बच्चों के लिए किया था कही कहीं पर तो राधा कृष्ण की मनमोहक दृश्य को देखने के लिए लोगों की भीड़ जुट गई थी अनेक सामाजिक संगठनों सहित लोगों ने रास्ते भर कृष्ण की टोलियां के लिए स्वागत में मटके टांग रखे थे।

'एक पेड़ मां के नाम' : महाराष्ट्र मंडल की महिलाओं ने पौधा रोपने से पहले उसके सुरक्षा की तैयारी की

रायपुर (विश्व परिवार)। महाराष्ट्र मंडल के रोहिणीपुरम महिला केंद्र की महिलाओं ने ग्रीन आर्मी के सदस्यों के साथ मिलकर वृहद पैमाने पर पौधरोपण किया। इस दौरान बरगद, आंवला और बेल सहित कई प्रकार के छायादार पौधों का रोपण कर उनकी सुरक्षा के लिए तुरंत ट्री गार्ड लगाया। संयोजिका श्यामल जोशी ने बताया कि रोहिणीपुरम केंद्र व ग्रीन आर्मी के संयुक्त तत्वावधान में छायादार पौधों का रोपण कर ट्री गार्ड लगाया गया। सभी पौधे 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत मां को समर्पित किया है। इस मौके पर शताब्दी पांडे ने प्रतिभा मनोहर पांडे के नाम पौधा रोपा। वहीं श्यामल जोशी ने सुमन जोशी के नाम, अनिता लांगे ने पुष्पलता लांगे के नाम, अचला मोहरीकर ने वनिता बल्लाल और चित्रा बल्कि ने नरेन्द्र बल्कि की स्मृति में पौधे रोपे और उनकी सुरक्षा करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में ग्रीन आर्मी की रोहिणीपुरम डीडी नगर की टीम उपस्थित थी। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधा रोपने से पहले उसके सुरक्षा की तैयारी महाराष्ट्र मंडल के रोहिणीपुरम केंद्र की महिलाओं ने की। उनका साथ दिया ग्रीन आर्मी के सदस्यों ने।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./13707/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 24-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13707
वार्ड का नाम -15 ने.कन्हैयालाल बाजारी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 15 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR108E00828** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ARUN SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. SHIV PRASAD** के नाम से दर्ज, जिसको श्री/श्रीमती **KIRAN SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DUSHYANT LAL SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
नेतराम चन्द्राकर
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-1
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./13811/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 24-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13811
वार्ड का नाम- 17 - ठक्कर बापा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR109F0012A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAJESH SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAMADHAR SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RUPESH KUMAR GUPTA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. VINOD GUPTA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./13890/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 24-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13890
वार्ड का नाम- 17 - ठक्कर बापा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR109C0590D** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SHUBH SHREE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SUNIL KUMAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **UMA NAG** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SACHIN NAG** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./13889/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 24-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13889
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107F00061** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PRADEEP KUMAR GUPTA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NANDLAL GUPTA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ANKITA KUMARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PRADEEP KUMAR GUPTA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./13923/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 20-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13923
वार्ड का नाम-68-खूबचंद बघेल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 68 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR567C0152B** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती DEVCHANDRA KAKDE, MALAN BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NATHU KAMDE DEVCHAND** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती NAJUL ANKIT MAHAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE RAJENDRA NAGVANSHI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./14049/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 27-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14049
वार्ड का नाम- 27- इंदिरा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR737C00117** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **NEERA RAI W/O LATE. SHYAMU RAI, RAMU RAI, KUMAR NISHA LILAVATI, DURGESH S/O LATE. SHYAM RAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती ... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री दुर्गेश राय** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता - स्व. श्री श्यामु राय** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनांतर्गत कॉलोनी, **दोन्देखुर्द रायपुर में स्थित सीनि. एल.आई.जी. भवन कमांक-92, श्री अनुराग अवस्थी पिता स्व.श्री एस.एन. अवस्थी, निवासी-ए-8, एल.आई.सी. कॉलोनी, मोवा, जिला-रायपुर (छ.ग.)** को ऑफर / स्वविित्तिय / भाड़ाकय आधार पर आबंटित किया गया था। उनके द्वारा दिनांक 12.10.2011 को अपने नाम पर लीजडीड/सेलडीड/विकय विलेख पंजीयन कराने के उपरांत दिनांक 11.03.2016 को हस्तांतरण विलेख (फ्री-होल्ड) निष्पादित करा लिया गया है। हस्तांतरण विलेख निष्पादन उपरांत उक्त भवन को केता **श्री अनिरूद्ध कुमार पिता श्री भागवत प्रसाद, निवासी- 92, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, दोन्देखुर्द, तहसील-धरसींवा, जिला रायपुर (छ.ग.)** के पक्ष में दिनांक 09.11.2023 को विक्रय कर दिया गया है। **वर्तमान में क्रेता श्री अनिरूद्ध कुमार पिता श्री भागवत प्रसाद,** द्वारा उक्त भवन को (फ्री-होल्ड) पश्चात अपने नाम पर मण्डल अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त भवन के फ्री होल्ड उपरांत मण्डल अभिलेख में दर्ज के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, मौलश्री विहार, रायपुर (छ.ग.)फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनांतर्गत कॉलोनी डूमरतराई फेस। जिला रायपुर में स्थित **एल.आई.जी. फ्लैट क्रमांक-54. ब्लॉक क्रमांक-03, द्वितीय तल, श्री मयंक कुकरेजा, पिता श्री रविन्द्र कुमार कुकरेजा** को स्ववित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त फ्लैट की लीजडीड दिनांक 05/07/2012 पंजीकृत कराने के उपरांत फ्लैट की पूर्ण राशि जमा कर दिनांक 05/09/2014 को आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है, वर्तमान में आंबटी **श्री मयंक कुकरेजा, पित्ता श्री रविन्द्र कुमार कुकरेजा, निवासी एम.आई.जी. सी-521, पदमनाभपुर, जिला दुर्ग (छ.ग.)** के द्वारा उक्त फ्लैट को **प्रार्थना छत्रे, पिता श्री एस.के. छत्रे, निवासी- म.नं-106/सी. आकांक्षा कुंज रिसाली, भिलाई, सिविक सेन्टर, जिला दुर्ग (छ.ग.)** के नाम से विक्रय करने के लिये इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत कर अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी.) की मांग की गई है।

अत: उक्त फ्लैट के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्दशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, मौल श्री विहार, रायपुर छ.ग.

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./14039/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2024
रायपुर दिनांक : 27-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14039
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR653A00074** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **TORAN LAL SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE TUKA RAM SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SURAIYA KHAN** पिता/पति श्री/श्रीमती **D/O SUBRATI KHAN**ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मलमा बिक्री नामा&शपथ पत्र**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./14066/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2024
रायपुर दिनांक : 27-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14066
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652F0022A** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **JITENDRA KUMAR DEWANGAN** पिता/पति/श्री/श्रीमती **CHANDU LAL DEWANGAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MAN BAI SAHU** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O CHOWARARAM SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
Email ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्रं./14071/न.पा.नि./जोन क्रं. 4/2024
रायपुर दिनांक : 27-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14071
वार्ड का नाम- 57 - पं. भगवती चरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 57 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR448E00030** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **FAUJIYA NAHID** पिता/पति/श्री/श्रीमती **MUSHTAK AHAMED** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **असमा खान** पिता/पति श्री/श्रीमती **शेख अमान** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
Email ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्रं./13927/न.पा.नि./जोन क्रं. 4/2024
रायपुर दिनांक : 27-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13927
वार्ड का नाम- 57 - पं. भगवती चरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 57 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR448E00188** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **GANESH MAL** पिता/पति/श्री/श्रीमती **CHANDU MAL SUNDRANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **रमेश कुमार सुंदरानी** पिता/पति श्री/श्रीमती **स्व. गणेश राम सुंदरानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स, रशीद, मृत्यु प्रमाण पत्र, सहमति पत्र, परिचय पत्र व अन्य दस्तावेज**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
Email ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्रं./14074/न.पा.नि./जोन क्रं. 4/2024
रायपुर दिनांक : 27-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14074
वार्ड का नाम- 47 - सिविल लाईन वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 47 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR342E00004** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **GULAMRASHUL KHAN** पिता/पति/श्री/श्रीमती **LATE. ABDUL SATTAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. नफीस अहमद पिता नजीर अहमद 2 कामरान अख्तर पिता एजाज अख्तर** पिता/पति श्री/श्रीमती **N/A** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स, रशीद, मृत्यु प्रमाण पत्र, सहमति पत्र, परिचय पत्र व अन्य दस्तावेज**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./13810/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 24-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13810
वार्ड का नाम- 17 - ठक्कर बापा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR108B00758** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **A. SUJATA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **A. APPA RAO** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **BARSANA DEVI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LAXMINARAYAN SINGH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

दुर्गम क्षेत्र में हो रहा सड़कों का निर्माण, आवागमन हुआ सुगम

स्वीकृति के पहले पहाड़ी कोरवा बस्ती तक बारिश के मौसम में पहुंच पाना मुश्किल होता था।

जशपुरनगर(विश्व परिवार)। जशपुर जिला दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र और सघन वन क्षेत्र से घिरा हुआ है और यह इस जिले की भौगोलिक विशेषता भी है। अपने इस भौगोलिक विशेषता के कारण एक ओर जहां जिला प्राकृतिक सौंदर्य और जलवायु के लिए प्रदेश में जाना जाता है। वहीं इसकी भौगोलिक स्थिति के कारण दूर-दराज के लोगों को अपने गांवों और बसाहटों से तहसील एवं जिला मुख्यालयों तक पहुंचना पहले किसी चुनौती से कम नहीं था। लेकिन अब प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, पीएम जनमन योजना और महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना के तहत बेहतर ढंग से मूलभूत सुविधाएँ जिले के पहाड़ी कोरवा बाहुल्य गांवों, बसहटों तक आसानी से पहुंच रही है। पहाड़ी कोरवा बाहुल्य गांव डुमरटोली से बाचाटोली तक बनी सड़क जनपद पंचायत बगीचा में ग्राम पंचायत सन्ना पहाड़ी कोरव बाहुल्य क्षेत्र है, इस ग्राम पंचायत के बलादरपाठ जो कि अत्यंत दुर्गम एव पहाड़ी क्षेत्र में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजनान्तर्गत द्वितीय श्रेणी सड़क निर्माण कार्य डुमरटोली से बाचाटोली तक स्वीकृत किया गया। स्वीकृति के पहले पहाड़ी कोरवा बस्ती तक बारिश के मौसम में पहुंच पाना मुश्किल होता था। ऐसे में वर्तमान में लगभग 2000 मीटर द्वितीय श्रेणी सड़क डुमरटोली से बाचाटोली टोली तक निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। जिले के दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कों का निर्माण हो रहा। इन ग्रामों में भी पक्की सड़क का निर्माण किया जाना है। जिससे 47 पहाड़ी कोरवा परिवार जिनकी जनसंख्या लगभग 100 से अधिक है। अब उन्हें मुख्य धारा से जोड़ने में एवं शासन की महत्वपुर्ण योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में अत्यधिक लाभदायक हो रहा है। ग्रामीणजन को आवागमन की सुविधा हो रही है, एम्बुलेंस जैसे अति महत्त्वपूर्ण वाहन पहाड़ी कोरवा बस्ती तक आसानी से पहुंच रहे है। इसके लिए ग्रामीणों अत्यंत खुश हैं और शासन-प्रशासन का आभार जताया है ।

तीन कांग्रेसी पार्षद हुए कांग्रेस पार्टी से बाहर

बैकुंठपुर(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की सत्ता से बेदखल होने के बाद से कांग्रेस पार्टी में घमासान मचा हुआ है। जहां एक ओर कई नेता पार्टी छोड़कर जा रहे हैं तो दूसरी ओर पार्टी भी कई नेताओं को निष्कासित कर रही है। इसी कड़ी में कांग्रेस ने तीन और नेताओं को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। तीनों नेताओं के खिलाफ जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार कांग्रेस ने वार्ड नं 10 पार्षद लाल मोहम्मद, वार्ड नं 4 पार्षद संतोषी एक्का और वार्ड नं 15 पार्षद प्रदीप तिवारी को पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है। बताया जा रहा है कि तीनों पार्षद पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल थे और शिवपुर चरचा नगरपालिका अध्यक्ष के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव में अपनी ही पार्टी के नेता के खिलाफ मतदान किया था। कोरिया जिला स्थित नगर पालिका शिवपुर चरचा के अध्यक्ष लालमुनी यादव के खिलाफ वार्ड क्रमांक-13 के पार्षद एवं नपा उपाध्यक्ष राजेश सिंह एवं 4 अन्य पार्षदों ने जिला निर्वाचन अधिकारी को संयुक्त हस्ताक्षर युक्त आवेदन प्रस्तुत अविश्वास प्रस्ताव लाने मांग रखी थी। वहीं, पार्षदों की मांग के अनुसार फ्लोर टेस्ट कराया गया, जिसमें विश्वास प्रस्ताव के पक्ष में 12 वोट पड़े, जबकि नगर पालिका अध्यक्ष को मात्र 3 वोट ही मिले। ऐसे में अध्यक्ष लालमुनी यादव को कुर्सी गंवानी पड़ी।

अस्पतालों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से चिकित्सा कारोबारियों और चिकित्सकों की बैठक

कोरबा(विश्व परिवार)। रविवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में विभिन्न चिकित्सा व्यवसायियों और चिकित्सकों की बैठक ली गई । बैठक में शासकीय अशासकीय चिकित्सालय में कैजुअल्टी सहित सभी ऐसे स्थानों पर जहां मरीज के परिजनों तथा जन सामान्य की आम आवाजाही रहती है गुणवत्तापूर्ण सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी एवं आवश्यकता के अनुरूप निजी सुरक्षा कर्मी रखते हुए आकस्मिक स्थितियों से निपटने के उद्देश्य से अग्नि शमन यंत्र रखने पर चर्चा कुछ गई । विषम परिस्थितियों में स्थानीय थाना, चौकी संबंधित नगर पुलिस अधीक्षक, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी पुलिस नियंत्रण कक्ष व डायल 112 के नंबर पुलिस सहायता लिए जाने के संबंध में जानकारी दी गई । चिकित्सकों की ओर से यह सुझाव आया की समय-समय पर स्थानीय पुलिस पार्टी द्वारा चिकित्सालय में पेट्रोलिंग किए जाने की आवश्यकता है जिस पर सहमति बनी स्थानीय पुलिस पेट्रोलिंग द्वारा अस्पतालों में समय-समय पर भ्रमण किया जाएगा । मीटिंग में मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल कोरबा साहू हॉस्पिटल कोरबा कृष्णा हॉस्पिटल श्वेता नर्सिंग डीके हॉस्पिटल बाल्को हॉस्पिटल एनटीपीसी हॉस्पिटल सीएसईबी हॉस्पिटल च गेवरा सहित तमाम चिकित्सालय के चिकित्सक उपस्थित थे । बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोरबा यूबीएस चौहान नगर पुलिस अधीक्षक दर्री रविंद्र मीणा तथा नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा भूषण एक्का के द्वारा सुरक्षा बरते जाने के संबंध में आवश्यक चर्चा करते हुए *चिकित्सा सेवक तथा चिकित्सा सेवा संस्थान (हिंसा तथा संपत्ति की क्षति या हानि की रोकथाम) अधिनियम 2010* के उपबंधों के संबंध में भी चिकित्सकों को अवगत कराया गया।

अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित

कोरबा(विश्व परिवार)। केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक दो एनटीपीसी में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। छात्रा मौली देवांगन ने इस दिवस के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। विद्यालय के चार सदनों के प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में बढ़-चढकर हिस्सा लिया। कक्षा छठवीं से आठवीं के बच्चों ने निबंध लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर विद्यालय के पूर्व छात्र एवं इसरो बेंगलुरू के वैज्ञानिक योगेश कुमार देवांगन मुख्य अतिथि के रूप में अपने माता-पिता के साथ उपस्थित रहे। उन्होंने कक्षा नवीं से 12वीं के छात्रों को अंतरिक्ष से संबंधित विभिन्न मिशनों की जानकारी दी। अपने उद्बोधन में बच्चों को अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए कैसे तैयारी करनी चाहिए आदि के बारे में मार्गदर्शन किया। उत्साही छात्रों ने उनसे प्रश्न भी पूछे, जिनका निराकरण मुख्य अतिथि ने किया। कार्यक्रम का संचालन विज्ञान शिक्षिका मैरी पीमिंज ने किया। प्रश्नोत्तरी का संचालन रसायन विज्ञान शिक्षिका ज्योति रानी ने किया। चित्रकला प्रतियोगिता का संचालन कला शिक्षक सौरभ आनंद ने किया। इसके बाद केंद्रीय विद्यालय संगठन क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर द्वारा प्रेषित अंतरिक्ष से संबंधित विभिन्न वीडियो दिखाए गए।

बांगो बांध के 6 गेट खोले गए

कोरबा(विश्व परिवार)। पिछले कुछ दिनों से हुई भारी बरसात के बाद प्रदेश का सबसे उंचा बांध बांगो बांध लबालब हो गया है. इस वजह से मिनीमाता बांगो परियोजना के 6 गेट रविवार की सुबह खोल दिए गए हैं. रविवार की सुबह 7 बजे से ही गेट खोले जाने की प्रक्रिया बांगो बांध प्रबंधन ने शुरू की. फिलहाल 6 गेट खोलकर नदी में 24000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है. निचले इलाके वाले रहवासी क्षेत्रों को अलर्ट रहने की चेतावनी भी जारी की गई है. बांगो डैम के खुले 6 गेट : सबसे पहले शनिवार के रात 9.10 से 9449 क्यूसेक पानी 3 रेडियल गेट को आंशिक रूप से खोलकर रिलीज किया गया. इसके बाद रविवार की सुबह 7 बजे से एक रेडियल गेट से 16945 क्यूसेक पानी नदी में छोड़ा गया. जल स्तर लगातार बढ़ने की वजह से सुबह 8.30 बजे से और गेट खोलकर 24610 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है. इस तरह अब तक कुल 6 गेट खोले जा चुके हैं. बांगो बांध की कुल जलभराव क्षमता 359 मीटर है. 358 मीटर के आसपास जब जलस्तर पहुंच जाता है. तब गेट खोलकर पानी नदी में पाया जाता है. हालांकि, इस वर्ष जिस तरह से बारिश का पैटर्न था, गेट खोलने की संभावना नहीं थी. लेकिन पिछले कुछ दिनों में हुई लगातार बरसात के बाद गेट खोलना पड़ रहा है. ङ्क एसके तिवारी, कार्यपालन अभियंता, बांगो बांध परियोजना 31 जुलाई तक 48 फीसदी जल भराव, अब हुआ लबालब : पिछले साल 31 जुलाई तक की स्थिति में बांगो बांध 70 फीसदी भर गया था. लेकिन इस साल बांगो बांध में कुल 48 फीसदी ही जल भराव हुआ था. लेकिन इसके बाद पिछले 24 दिनों में लगातार भारी बरसात के चलते बांगो बांध में 90 फीसदी से अधिक जल भराव हुआ है.

पीएम जनमन योजना से क्षेत्र के लोगों को किया जा रहा लाभान्वित

जशपुरनगर(विश्व परिवार)। जशपुर जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा बाहूल्य क्षेत्र परियोजना सन्ना, तहसील सन्ना के पर्यवेक्षक परिक्षेत्र पण्ड्रापाठ में प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान कार्यक्रम के तहत् राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र पहाड़ी कोरवा समुदाय में जागरूकता लाने के उद्देश्य से परिक्षेत्र पण्ड्रापाठ ग्राम पंचायत पण्ड्रापाठ के पहाड़ी कोरवा बाहूल्य क्षेत्र बरपाठ-02 में नवीन आंगबाड़ी केन्द्र माह -जनवरी 2024 से संचालित किया जा रहा है जिसका। संचालन वर्तमान में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उदियाचली यादव आंगनबाड़ी केन्द्र बरपाठ-01 के द्वारा किया जा रहा है। पी.एम.जनमन योजना अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्र के संचालन का मुख्य उद्देश्य समुदाय में जागरूकता लाना, महिला एवं बाल विकास विभाग के विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करना कुपोषण की दर में कमी लाना, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना, मातृ मृत्यु दर शिशु दर में कमी लाने के उद्देश्य की पूर्ति के लिए किया जा रहा है। नवीन आंगनबाड़ी केन्द्र बरपाठ-02 के संचालन से पूर्व बसाहट के हितग्राहियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। वर्तमान में पहाड़ी कोरवा बसाहट क्षेत्र के समस्त 0-6 वर्ष के बच्चे गर्भवती एवं शिशुवती को टीकाकरण, रडी टू ईट एवं गरम भोजन से साथ ही 3-6 वर्ष के बच्चों को अनौपचारिक शिक्षा दकेर लाभान्वित किया जा रहा है जिससे हितग्राही काफी खुश है। बसाहट ग्राम बरपाठ-02 में आंगनबाड़ी केन्द्र का संचालन होने से पहाड़ी कोरवा समुदाय से सम्पर्क काफी बढ़ गया है। अतः पहाड़ी कोरवा समुदाय में जागरूकता लाने का अथक प्रयास किया जा रहा है।

82 वर्षीय मरीज को कमर दर्द और पैरों की असहनीय पीड़ा से मिला निजात

कोरबा(विश्व परिवार)। कमर दर्द और पैरों की असहनीय पीड़ा ने चलने-फिरने लायक नहीं रहे 82 वर्षिय मरीज का न्यू कोरबा हॉस्पिटल में हुए सफल आपरेशन से नई जिंदगी मिल गई। न्यूरोसर्जन डॉ. दिविक एच. मित्तल ने मरीज व परिजन को बड़ी राहत दी है। दीपका निवासी भीम बहादुर 82 वर्ष को कमर व पैरों में कई दिन से दर्द था। दर्द निवारक दवा, व्यायाम, मालिश सब आजमा लेने के बाद भी राहत न मिली । धीरे-धीरे दर्द बढ़ता गया और अचानक असहनीय दर्द के साथ कमजोरी के कारण चक्कर आने की भी शिकायत बढ़ने लगी। परेशान परिजन कई अस्पतालों का चक्कर लगाते रहे लेकिन मरीज को कोई आराम नहीं मिला। दर्द के कारण दोनों पैरों से चलने-फिरने में असहाय हो गया। सब जगह से थक-हार कर परिजन मरीज को उसी हालत में लेकर न्यू कोरबा हॉस्पिटल पहुंचे। रीढ़ की हड्डी का एम.आर.आई. करने पर पता चला कि कमर की नस दबी हुई है। जिसका सर्जरी ही एक मात्र उपचार था। परिजनों ने तब राहत की सांस ली जब डॉ. मित्तल ने ऑपरेशन हो जाने की बात कही। डॉ. मित्तल ने एनेस्थेटिस्ट डॉ. रोहित मजुमदार, ओटी टेक्नीशियन देवेंद्र मिश्रा व सहयोगी टीम के साथ ऑपरेशन किया। 4 घण्टे तक चला ऑपरेशन पूर्णत: सफल रहा और मरीज धीरे-धीरे सामान्य होने लगा। फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. अमन श्रीवास्तव व डॉ. यशा मित्तल के प्रयास से मरीज को चलाया- फिराया गया। मरीज को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और अब वह स्वस्थ है। मरीज के परिजनों ने डॉ. डी.एच. मित्तल सहित एन.के.एच. टीम का आभार जताया है। डॉक्टर मित्तल ने बताया कि शरीर के निचले हिस्से में आने वाले सुन्नपन, झनझनाहट, दर्द और कमजोरी को नजर अंदाज नहीं करना चाहिए। कई बार यह सामान्य बीमारी नहीं होती है। रीढ़ की हड्डी, गर्दन में ट्यूमर व नसों में दबाव होने के कारण भी ऐसा हो सकता है।

कोटमेर से खड़ी ट्रेलर की चोरी

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले में घरों, दुकानों और लगातार बाइक की चोरियों की बढ़ती वारदातों के बीच अज्ञात चोरों ने सड़क किनारे खड़ी की गई बिगड़ी हालत में ट्रेलर को ही पार कर दिया। फाइनेंस में खरीदे गए ट्रेलर के चोरी हो जाने से उसके मालिक की चिंता बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार उक्त वारदात करतला थाना अंतर्गत ग्राम कोटमेर मार्ग में हुई है। प्रार्थी रोशन कुमार पटेल, पिता स्व. चंद्रिका प्रसाद पटेल, ग्राम देवरमाल, थाना उरगा का निवासी है। वह स्वयं का ट्रेलर वाहन चलाता है। बताया जा रहा हैं की प्रतिदिन की तरह 20 अगस्त को रात लगभग 10 बजे अपने घर से ट्रेलर को स्वयं चलाते हुए छाल (एडु) कोयला लोड करने जा रहा था कि करतला के ग्राम कोई मोड़ पेट्रोल पंप कोटमेर के बीच, रात लगभग 12 बजे गाड़ी में कुछ खराबी आ गयी। गाड़ी को रोड के किनारे खड़ी कर जांच-पड़ताल किया तब देखा कि वाहन के क्राउन में आवाज आ रही थी, जिसके कारण एवं अधिक रात होने तथा लंबा सफर होने के डर से ट्रेलर को वहीं रोड किनारे लगा कर दरवाजा लॉक कर दिया और छाल की ओर से आ रही अन्य ट्रेलर में लिफ्ट मांगकर वापस घर ग्राम देवरमाल आ गया। दूसरे दिन सुबह 11 बजे अपने ट्रेलर के पास पहुंचा तो उक्त स्थान पर नहीं थी। आस-पास बहुत खोजा परंतु कहीं नहीं दिखा तो करतला थाना में चोरी की रिपोर्ट दर्ज करा दिया। पुलिस ने अज्ञात चोर के विरुद्ध धारा 303(2) ब्न्हस्र के तहत जुर्न दर्ज कर तलाश की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस कर्मी के सूने मकान में चोरी करने वाला चोर गिरफ्तार

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले की बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र में एक पुलिस कर्मी के सूने मकान का ताला तोड़कर चोरी करने के मामले में पुलिस ने चोर को गिरफ्तार कर लिया है तथा उसके पास से चोरी का सामान बरामद किया है। मिली जानकारी के अनुसार गजरा मोहल्ला एसईसीएल के क्वाटर बांकीमोंगरा में टीआई उषा के निवास पर 3 अगस्त को चोरी होने की सूचना घर में काम करने वाली संतोषी चौहान पति बुधराम चौहान उम्र 35 वर्ष सा. सोमवारी बाजार बांकीमोंगरा ने थाना बांकीमोंगरा में दी थी। जिस पर अज्ञात चोर के खिलाफ धारा-305,331 (4) बीएनएस के तहत रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना में लिया गया था। घर में रखे एलईडी टीवी, गैस सिलेण्डर, एक नग गैस चूल्हा, एक नग इंडक्शन चुल्हा, एक नग मिक्सी, एक नग आयरन एवं घरेलू बर्तन कीमती 35000 रूपये को कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया था। मामले में वरिष्ठ अधिकारियों से प्राप्त दिशा निर्देश के अनुसार थाना प्रभारी तेज प्रताप द्वारा अपनी बांकीमोंगरा पुलिस टीम एवं सायबर सेल कोरबा की टीम के साथ घटनास्थल का बारिकी से अवलोकन किया गया। इसी बीच पुलिस टीम को मुखबीर से सूचना मिली कि कलीराम बरेठ अपने घर में बड़ा सा टीवी रखा है जो कि चोरी का हो सकता है। सूचना पर पुलिस टीम के द्वारा कलीराम बरेठ को तलब कर थाना लाया गया और पूछताछ करने पर चोरी करना स्वीकार कर लिया। जिसके बाद उसके बयान के आधार पर उसकी निशानदेही चोरी हुए सामान को आरोपी के घर से बरामद कर जप्त किया गया तथा आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

शराब पीने के दौरान युवक की हत्या

बिलासपुर(विश्व परिवार)। शराब पीने के दौरान हुए विवाद में युवक की हत्या कर दी गई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया है। हमलावर ने शराब की बोतल से युवक पर वार किया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है। यह घटना तारबाहर थाना क्षेत्र के पुराना बस स्टैंड की है। जानकारी के अनुसार, सीएमडी कालेज के पास चंदुआभाठा में रहने वाला राहुल सिंह निजी संस्थान में काम करता था। बीती रात वह अपने कुछ दोस्तों के साथ पुराना बस स्टैंड की ओर गया। जहां दोस्तों के साथ बैठकर वह शराब पी रहा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर उसका एक युवक से विवाद हो गया। विवाद के दौरान युवक ने शराब की बोतल तोड़कर राहुल की गर्दन पर वार कर दिया। हमले में राहुल लहूलुहान हो गया, उसने भागने की कोशिश की, लेकिन करीब 50 मीटर दूर जाकर गिर गया, गले में हुए हमले के कारण राहुल ने वहीं पर तड़पकर दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। हत्या की जानकारी लगते ही एसपी रजनेश सिंह और पुलिस के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। पुलिस की टीम ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर हत्यारे की जानकारी जुटानी शुरू की, लेकिन अब तक हत्यारे का कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

डेंगू की चपेट में आये एक युवक की मृत्यु

कोरबा(विश्व परिवार)। बबलू चंद्र नामक एक युवक की उपचार के दौरान बिलासपुर में मृत्यु हो गई। वह कोरबा अंचल के मुड़ापार क्षेत्र का रहने वाला बताया जा रहा हैं। बताया जा रहा हैं की कुछ दिन पहले वह युवक डेंगू बीमारी की चपेट में आ गया था। स्थानीय स्तर पर सर्वे में डेंगू के लक्षण पाए जाने के बाद युवक को उपचार दिया गया। स्थिति में सुधार नहीं होने पर डॉक्टर ने उसे बिलासपुर रेफर कर दिया जहां पर उसने दम तोड़ दिया। जानकारी मिली है कि एक पखवाड़ा पहले ही अस्वस्थता के कारण उक्त युवक की मां की मृत्यु हो गई थी और उसके बाद परिजन मुश्किल में थे।

सर्पदंश से दो की मृत्यु

कोरबा(विश्व परिवार)। जिला के बांगो पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत सर्प के काटने की घटना में दो व्यक्ति की मृत्यु हो गई हैं। जानकारी के अनुसार इनमें से एक 9 वर्ष की बालिका है और दूसरा अधेड़ हैं। पुलिस ने बताया कि दोनों घटनाएं ग्रामीण क्षेत्र में घटित हुई है। दोनों मृतक अलग-अलग स्थिति में सर्प के काटने की घटना का शिकार हुए हैं। परिजनों को जानकारी मिलने पर वे हरकत में आए और पीड़ितों को अस्पताल ले जाने की व्यवस्था की। एंटी स्नेक वेनम पर भी सर्प के कांटे का जहर कम नहीं हो सका और अंतत: पीड़ितों की मृत्यु हो गई। अस्पताल से सूचना प्राप्त होने पर पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। पंचनामा की प्रक्रिया पूरी करने के बाद मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार सर्पदंश के मामले में इसका शिकार होने पर झाडफूंक के चक्कर में पड़ने की बजाये सीधे अस्पताल पहुंचकर इलाज कराने की अपील जा रही है।

संपादकीय

कॉमन सिविल कोड को नया नाम.........

खबरों के मुताबिक मोदी के एलान के बाद टीडीपी नेता एन चंद्रबाबू नायडू से मुस्लिम नेताओं का एक दल मिला। नायडू ने उन्हें आश्वासन दिया कि जब तक वे केंद्रीय सत्ता में भागीदार हैं, %सेकुलर' कोड जैसी कोई पहल नहीं होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कॉमन सिविल कोड को नया नाम दिया। उसे सेकुलर कोड कहा। स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से उन्होंने पर्सनल लॉ (जिसे उन्होंने कम्यूनल कोड कहा) कि जगह सेकुलर कोड लागू करने का इरादा जताया। यह बात उन्होंने लोकसभा चुनाव के पहले भी कही थी। तब लेकिन तब बात अलग थी। तब लोकसभा में भारतीय जनता पार्टी का अपना बहुमत था और अभी भाजपा का चार सौ पार का उत्साह आसमान में था। आम चुनाव में भाजपा के पर कुतर गए। लेकिन उससे मोदी पर कोई फर्क नहीं पड़ा। पिछले ढाई महीने से उनका सारा प्रयास यही संदेश देने का है कि कुछ भी नहीं बदला है। संभवत इसीलिए लाल किले से उन्होंने इस विभाजक मुद्दे को अपने भाषण का थीम बनाया। परंतु अब उनके सामने बदली हुई हकीकत है। मोदी के एलान के बाद सत्ताधारी एनडीए के घटक दल तेलुगू देशम पार्टी के नेता एन चंद्रबाबू नायडू से मुस्लिम नेताओं का एक दल मिला। नायडू ने उन्हें आश्वासन दिया कि जब तक वे केंद्रीय सत्ता में भागीदार हैं, सेकुलर' कोड जैसी कोई पहल नहीं होगी। जनता दल (यू) में भी अशांति दिखी। नतीजतन, 16 अगस्त को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के घर एनडीए की बैठक बुलानी पड़ी। इसमें यह फैसला भी हुआ कि हर महीने एनडीए की समन्वय समिति की बैठक होगी और नीतिगत फैसले उसमें ही लिए जाएंगे। फिलहाल, इसका अर्थ यह है कि मोदी ने जो एलान किया, उसके प्रचार से भाजपा को जो सियासी फायदा मिलना हो मिले, लेकिन उससे संबंधित विधेयक को पारित कराना आसान नहीं होगा। इससे यह संकेत ग्रहण किया जा सकता है कि भाजपा की अब वह हैसियत नहीं है कि पिछली लोकसभा की तरह बिना अन्य किसी मत का ख्याल किए विवादास्पद विधेयकों को आगे बढ़ा दे। इसके लिए उसे- कम से कम अपने गठबंधन के भीतर न्यूनतम सहमति बनानी होगी। टीडीपी और जेडी-यू वक्फ़ बोर्ड विधेयक तक चुप रहे, लेकिन अब उन्हें अपनी सियासत के लिए जोखिम पैदा होता दिखने लगा है। अब देखना होगा कि मोदी-शाह का नेतृत्व इस स्थिति को भी मैनेज कर लेने में कामयाब होता है?

विकास की सार्थकता पर सवाल

भारत डोगरा

वैसे तो वर्तमान विकास की विसंगतियां कई स्तरों पर नजर आ रही हैं, पर स्थिति तब और भी स्पष्ट हो जाती है, जब इस विकास की दौड़ में सबसे आगे माने जाने वाले देशों में भी लोग इस विकास की सार्थकता के बारे में सवाल खड़े करने लगें। ब्रिटिश सोशल साइंस रिसर्च काउंसिल (ब्रिटिश समाज शास्त्र अनुसंधान परिषद) द्वारा किए गए एक सव्रेक्षण में ऐसे ही सवाल सामने आए हैं। इस सर्वेक्षण में पांच वर्षो के दौरान तीन बार 1500 सामान्य नागरिकों के सैंपल से पूछा गया कि जीवन को बेहतर बनाने के लिए वे किन बातों को महत्त्व देते हैं और क्या उन्हें लगता है कि जीवन पहले से बेहतर हो रहा है या नहीं। ब्रिटेन के समाज को (अन्य पश्चिमी विकसित देशों की तरह) काफी भौतिकवादी माना जाता है पर 71 प्रतिशत लोगों ने जीवन की गुणवत्ता (क्वालिटी) के बढ़ने या जीवन बेहतर होने में जिन बातों को महत्त्व दिया उनका आय या दौलत के बढ़ने से कोई संबंध नहीं था। उपभोक्ता वस्तुओं से अधिक महत्त्व 'अच्छे पारिवारिक जीवन' और 'संतोष की स्थिति' को देने वाले लोगों की संख्या अधिक थी। सबसे महत्त्वपूर्ण बात जो इस सर्वेक्षण में सामने आई वह यह थी कि लगभग सभी नागरिकों के मत में पिछले पांच वर्षो में उन्हें उपलब्ध उपभोक्ता वस्तुओं की मात्रा बढ़ गई थी पर साथ ही जीवन की गुणवत्ता कम हो गई थी। इतना ही नहीं, लगभग सभी लोगों ने यह विचार भी व्यक्त किया कि अगले पांच वर्षो में यही स्थिति और आगे बढ़ने की संभावना है- उपभोक्ता वस्तुओं की मात्रा और बढ़ जाएगी पर साथ ही जीवन की गुणवत्ता और घट जाएगी। इस सर्वेक्षण से यह बात सामने आई है कि वर्तमान विकास की विसंगतियों पर जोर देना केवल जीवन की गहराई में गोता लगाने वाले कुछ दर्शनशास्त्रियों या पर्यावरणविद् तक ही सीमित नहीं है अपितु इस विकास के क्षेत्र में अग्रणी माने जाने वाले देशों के सामान्य लोग भी अब इस पीड़ा को समझ रहे हैं, चाहे विकल्पों के अभाव में इस पीड़ा से बाहर निकलने की कोई दिा अभी न मिल रही हो। प्राय प्रति व्यक्ति आय को किसी देश के विकास का सबसे महत्त्वपूर्ण द्योतक माना जाता है। चाहे दो राष्ट्रों की तुलना करनी हो या एक ही राष्ट्र की वर्तमान स्थिति की कुछ समय पहले की स्थिति से तुलना करनी हो, सबसे प्रचलित तरीका यही अपनाया जाता है कि राष्ट्रीय आय को जनसंख्या से विभाजित कर प्रति व्यक्ति आय प्राप्त कर ली जाती है। लेकिन अब अनेक अर्थशास्त्री व अन्य विद्वान राष्ट्रीय आय या प्रति व्यक्ति आय को वास्तविक विकास का द्योतक मानने के बारे में अनेक महत्त्वपूर्ण सवाल उठाने लगे हैं। राष्ट्रीय आय में सब तरह की वस्तुओं व सेवाओं को जोड़ा जाता है, इस बात को कोई महत्त्व नहीं दिया जाता है कि वह वस्तु जन-कल्याण से जुड़ी है या समाज के लिए हानिकारक है। यदि किसी देश में एक दशक के दौरान अन्य बातें समान हैं पर शराब, तंबाकू, वेश्यावृत्ति और जुआघरों में बहुत तेजी से वृद्धि हो रही है तो राष्ट्रीय आय या प्रति व्यक्ति आय के आंकड़ों के अनुसार विकास की गति काफी तेज मानी जाएगी। राष्ट्रीय आय व प्रति व्यक्ति आय द्वारा विकास को जानने की एक अन्य प्रमुख कमी यह है कि पर्यावरण को होने वाली क्षति का उचित आकलन इसमें नहीं होता है अपितु कई बार तो विपरीत आकलन होता है। एक देश में वनों को बहुत सुरक्षित रखा गया है ताकि भविष्य में जल व मिट्टी संरक्षण का कार्य अच्छी तरह से होता रहे, दूसरे देश में कुछ ही वर्षो में सारे जंगलों को काटकर उनकी लकड़ी बेच दी जाती है व इससे प्राप्त धनराशि को तरह-तरह के अनैतिक कायरे में खर्च कर दिया जाता है। राष्ट्रीय आय के आंकड़े तो यही बताएंगे कि दूसरे देश में अधिक विकास हुआ है क्योंकि लकड़ी काटने व बेचने से प्राप्त धनराशि की गिनती राष्ट्रीय आय में हो जाएगी। पहले देश द्वारा वन बचाए रखने के महत्त्व को राष्ट्रीय आय के आंकड़े नहीं पहचानेंगे। विकास के द्योतक के रूप में राष्ट्रीय आय व प्रति व्यक्ति आय की एक अन्य प्रमुख कमी यह हैं कि इससे हमें आय के वितरण के बारे में कुछ पता नहीं चलता है। प्रति व्यक्ति आय जिस दशक के दौरान तेजी से बढ़ी है, हो सकता है कि उसी दशक के दौरान अर्थव्यवस्था के नीचे के 50 प्रतिशत लोगों का अभाव पहले से भी अधिक बढ़ गया हो। प्रति व्यक्ति (औसत) आय में वृद्धि पूरी तरह अमीर तबके की आय में तेजी से हो रही वृद्धि पर आश्रित हो सकती है। इस स्थिति में अतिरिक्त आय फिजूलखर्ची में जाएगी और गरीब लोगों को बुनियादी जरूरतों में भी और कटौती करनी पड़ेगी, पर राष्ट्रीय व प्रति व्यक्ति आय के आंकड़े यही बताएंगे कि तेज विकास हो रहा है। किसी भी देश के लोगों की आर्थिक स्थिति से अलग बहुत सी बातें होती हैं जो प्रति व्यक्ति आय के आंकड़ों की पहुंच से बहुत दूर हैं। उस देश में भाईचारे और अच्छे नागरिक होने की भावना कितनी प्रबल है, पारिवारिक संबंध बेहतर हो रहे हैं या बिगड़ रहे हैं, शिक्षा पण्राली कैसी है, बचपन कितना सुरक्षित है ऐसी कितनी ही बातें हैं जो प्रति व्यक्ति आय की परिधि से बाहर हैं। फिर भी किसी समाज के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण हैं। ब्रिटेन में पिछले चार दशकों में कितना विकास हुआ है, इसका पता लगाने का एक अपेक्षाकृत अधिक ईमानदार प्रयास 'नव अर्थशास्त्र प्रतिष्ठान ने किया है। इस प्रतिष्ठान ने टिकाऊ कल्याण का एक सूचक तैयार किया है। इस अनुमान के अनुसार जहां ब्रिटेन की राष्ट्रीय आय में 1950-90 तक 230 प्रतिशत की वृद्धि हुई, वहां टिकाऊ आर्थिक कल्याण में मात्र 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यदि केवल वर्ष 1975 के बाद के आंकड़ों को देखें, तो इस दौरान राष्ट्रीय आय तो एक तिहाई बढ़ गई पर टिकाऊ आर्थिक कल्याण में 50 प्रतिशत की गिरावट आई। ऐसा व्यापक पर्यावरण के नुकसान व संसाधन आधार को क्षति पहुंचने के कारण हुआ। दूसरे शब्दों में 1975-90 के पंद्रह वर्षो में ब्रिटेन में अवनति हो रही थी जबकि राष्ट्रीय आय के आंकड़े विकास का ढोल पीट रहे थे। वास्तव में विकास की सही पहचान करने का काम तरह-तरह के विवादों से घिरा हुआ है, पर इतना स्पष्ट होता जा रहा है कि राष्ट्रीय आय व प्रति व्यक्ति आय वाला द्योतक बहुत अपर्याप्त तथा असंतोषजनक है। यह भी स्पष्ट हो रहा है कि यदि जन-कल्याण का ठीक-ठीक पता लगाने के अधिक व्यापक प्रयास किए जाएं तो परिणाम राष्ट्रीय आय पर आधारित आंकड़ों से बहुत अलग हो सकते हैं। यह केवल एक बुद्धिजीवियों की बहस मात्र नहीं है अपितु इस तरह की बेहतर जानकारी से इस बारे में जनमत तैयार करने में काफी मदद मिल सकती है कि हम किस दिशा में जा रहे हैं और यह रास्ता कहां तक उचित है। जन कल्याण में किस तरह बदलाव हो रहा है, हमारा जीवन बेहतर हो रहा है या बिगड़ रहा है, इसका ठीक-ठीक मूल्यांकन करने के लिए अभी बहुत से ईमानदारी से किए गए प्रयासों की जरूरत है।

आलेख

नतीजा आश्चर्यजनक होगा

श्रुति व्यास

डेमोक्रेटिक पार्टी का राष्ट्रीय सम्मेलन (डीएनसी) सचमुच एक थ्रिलर था। उसमें नाटकीयता थी, उल्लास था, दुःख और खुशी के आंसू थे और खूब शोर-शराबा तथा कोलाहल था। और मीम्स, रील्स और जीआईएफ्स के लिए ढेर सारा मसाला भी। सेलिब्रिटीज और राजनीतिज्ञों की मौजूदगी के बावजूद बहुत से आम लोग भी डीएनसी के मंच पर आए। उन्होंने अपनी पीड़ा और व्यथा, अपनी उम्मीदें और अरमान जाहिर किए। गाजा के लोगों के समर्थन में हो रहे प्रदर्शनों की पृष्ठभूमि में संगीतकार एवं गायक स्टीव वंडर ने वहां मौजूद लोगों से कहा, गुस्से की बजाय आनंद का वरण करें। सही में अर्श से लेकर फर्श तक असली प्रजातंत्र का सम्मेलन में मजा था। आज डेमोक्रेटिक पार्टी का चार-दिवसीय सम्मेलन समाप्त होगा। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक टिम वाल्ज़ जोशीले भाषण के बाद, तालियों की गडगड़ाहट के बीच पार्टी के उपराष्ट्रपति उम्मीदवार का नामांकन स्वीकार कर चुके थे। आज ही देर रात कमला हैरिस भी जोश एवं जबरदस्त उम्मीदों से लबरेज सभाकक्ष में राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी स्वीकार करेंगीं। इसके बाद व्हाईट हाउस के लिए दौड़ आधिकारिक रूप से प्रारंभ होगी। यह डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए एक नई सुबह जैसा होगा। एक माह पहले तक जो पार्टी कमजोर, विभाजित और अस्त-व्यस्त नजर थी और लग रहा था कि वह डोनाल्ड ट्रंप से मुकाबले में बहुत पिछड़ रही है, वह इन चार दिनों के पुनर्जीवित होती और उत्साह भरी लग रही है। स्थिति में आया यह जबरदस्त सुधार, जो बहुत जरूरी था, अद्भुत और विलक्षण है। डेमोक्रेट्स नें आखिकार ट्रम्प कैंप पर ज़ोरदार हमला बोल दिया। डीएनसी की इन चार रातों में काफी मजबूती से डोनाल्ड ट्रंप पर तीखे प्रहार हुए। राष्ट्रपति बाइडन की राजनैतिक पारी की अश्रुपूर्ण और भावुकतापूर्ण विदाई के साथ-साथ सम्मेलन में कई अनुभवी और पुराने नेताओं की तीखी टिप्पणियां सुनने को मिलीं ङ्क हिलेरी से लेकर बराक और बिल तक की, जिन्होंने ट्रम्प के परखच्चे उडने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। उनके हमले तीखे होते हुए भी विनोदपूर्ण थे; उनके कटाक्ष ट्रम्प को आईना दिखने वाले थे। सम्मेलन में ट्रंप पर जोरदार और पूरी ताकत से हमला बोला गया। इन पुराने नेताओं ने ट्रम्प का जम कर मखौल बनाया और हाल के अन्दर और बाहर के लोगों ने इसका भरपूर मज़ा लिया। बराक ओबामा अब भी जीक्यू (अमेरिका की एक प्रसिद्ध फैशन पत्रिका) के मुखपृष्ठ पर छपने लायक दिख रहे थे। उन्होंने जब ट्रम्प के भीड़ के आकार के प्रति सनक की हद तक कि आसक्ति का ज़िक्र किया, तो भीड़ लगभग पागल हो गई। जब 78 वर्षीय बिल क्लिंटन (जो आज भी उतने ही स्फूर्ति भरे हैं जितने 40-45 की उम्र में थे) ने मजाकिया लहजे में कहा कि वे अभी भी डोनाल्ड ट्रंप से कम उम्र के हैं, तो सभा भवन ठहाकों में डूब गया और सबसे जोरदार ठहाके युवाओं के थे। उन्होंने क्लिंटन के इस कथन पर सिर हिलाकर सहमति दर्शाई, कि जब आप अगली बार ट्रंप को भाषण देते हुए सुनें तो उनके झूठों को मत गिनना बल्कि यह गिनना कि वे कितनी बार मैं कहते हैं। जब मिशेल ओबामा ने कहा उन्हें यह कौन बताएगा कि वे इस समय जो पद हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं, उस पर अश्वेतों का हक है तो भीड़ ने जबरदस्त नारेबाजी करके अपनी सहमति व्यक्त की। लेकिन सबसे ज़ोरदार तालियाँ तब बजीं जब हिलेरी क्लिंटन ने कहा कि कमला हैरिस अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपति बनकर एक मज़बूत दीवार को धराशायी करेंगी। प्रतिद्वंद्वी पर किए गए इन हमलों के साथ ही कमला हैरिस-वेल्ज़ के प्रति सर्वसम्मत और दृढ़ समर्थन का इजहार भी है। हर डेमोक्रेट ने वाकपटुता के साथ कमला हैरिस की योग्यताओं और व्यक्तित्व, अर्थव्यवस्था संबंधी उनकी योजनाओं और स्वास्थ्य सेवाओं व गर्भपात जैसे मसलों, जिन पर पार्टी को जनता का व्यापक समर्थन हासिल है, की चर्चा की। शिकागो से उत्सर्जित हो रही ऊर्जा ने दिल्ली के मेरे कमरे को टेलीविजन् से निकल रहे नीले और लाल रंगों से सराबोर कर दिया। कमला हैरिस के राष्ट्रपति बनने की सम्भावना से भीड़ उन्मादित लग रही थी। ऐसा लग रहा था मानों सबको यह विश्वास था कि दुनिया के सबसे पुराने प्रजातंत्र की सबसे पुरानी पार्टी मुकाबले के लिए पूरी तरह तत्पर और तैयार है। शिकागो खुशी का माहौल बना हुआ है। इसी शहर में 1968 में हुए अराजकतापूर्ण सम्मेलन की कहानी दुहराए जाने का भय लगभग खत्म है। तब की कड़वाहट और मतभेदों के विपरीत इस बार एकता और उत्साह नजर आ रहा है। बुजुर्ग और पुराने नेताओं ने बहुत खूबसूरती और परिष्कृत ढंग से वह किया ।

मिलावटी उत्पादों से सेहत पर दुष्प्रभाव ही पड़ेगा

रजनीश कपूर

भारत में बढ़ते हुए कैंसर रोग के मरीज़ों, दिल के रोग के मरीज़, मोटापे और अन्य बीमारियों का कारण भी कहीं रोज़मर्रा खाने वाले नमक और चीनी में मौजूद ये प्लास्टिक के कण तो नहीं? यदि ऐसा है तो यह एक गंभीर मामला है। घरेलू नमक और चीनी में पाये जाने वाले माइक्रोप्लास्टिक के कण इतने सूक्ष्म होते हैं कि इन्हें आप अपनी आँख से देख भी नहीं सकते। पिछले सप्ताह एक एनजीओ द्वारा किए गए शोध से पता चला कि देश में अधिकतर नमक और चीनी निर्माता हमें प्लास्टिक के छोटे-छोटे कण खिला रहे हैं। %टॉक्सिक्स लिंक' नाम की एक एनजीओ के पर्यावरण अनुसंधान विभाग द्वारा किए गए एक शोध के बाद यह दावा किया। जबसे यह खबर उजागर हुई तो उपभोक्ताओं के मन में कई तरह के सवाल उठने लगे हैं। भारत में बढ़ते हुए कैंसर रोग के मरीज़ों, दिल के रोग के मरीज़, मोटापे और अन्य बीमारियों का कारण भी कहीं रोज़मर्रा खाने वाले नमक और चीनी में मौजूद ये प्लास्टिक के कण तो नहीं? यदि ऐसा है तो यह एक गंभीर मामला है। घरेलू नमक और चीनी में पाये जाने वाले माइक्रोप्लास्टिक के कण इतने सूक्ष्म होते हैं कि इन्हें आप अपनी आँख से देख भी नहीं सकते। चिंता की बात यह है कि प्लास्टिक के इतने सूक्ष्म कण आपके शरीर में कई सालों तक रह सकते हैं। इतने वर्ष तक यदि ऐसे कण आपके शरीर में रह जाएँगे तो इनका आपकी सेहत पर दुष्प्रभाव तो पड़ेगा ही। अब चूँकि यह शोध सामने आया है तो इसे गंभीरता से लेते हुए इसकी विस्तृत जाँच भी होनी चाहिए और साथ ही दोषियों के ख़िलाफ़ उचित क़ानूनी कार्यवाही भी की जानी चाहिए। आज के दौर में हम जितना भी सादा भोजन करें हम किसी न किसी मात्रा में नमक और चीनी तो लेते ही होंगे। यदि इन ज़रूरी तत्वों के सेवन से हमें कैंसर और दिल के रोग होने लग जाएँ तो इंसान कहाँ जाए ? यदि मिलावटी मसालों की बात होती है तो हम अपनी दादी-नानी के घरेलू नुस्ख़े आज़मा कर रोज़मर्रा के मसालों को घर में ही कूट-पीस सकते हैं। यदि दूषित पानी और कीटनाशक से उगी सब्जियों और फलों की शिकायत मिले तो हम जैविक खेती की मदद से शुद्ध सब्जियों और फलों का सेवन कर लेते हैं। परंतु यदि हर घर में इस्तेमाल होने वाले नमक और चीनी में ही इस क़दर मिलावट होने लगे तो आपक्या करेंगे ? लालच इंसान को किस हद तक ले जाता है कि मुनाफ़े के चक्कर में कुछ चुनिंदा उद्योगपति आम जनता को ज़हर परोस रहे हैं। माइक्रोप्लास्टिक्स इन सॉल्ट एंड शुगर' नाम की इस स्टडी में %टॉक्सिक्स लिंक' ने टेबल सॉल्ट, रॉक सॉल्ट, समुद्री नमक और स्थानीय कच्चे नमक सहित 10 प्रकार के नमक और ऑनलाइन तथा स्थानीय बाजारों से खरीदी गई पांच प्रकार की चीनी का टेस्ट करने के बाद इस स्टडी को पेश किया। अध्ययन में यह चौकने वाला सच सामने आया कि नमक और चीनी के सभी नमूनों में अलग-अलग तरह के माइक्रोप्लास्टिक्स शामिल थे। इनमें फाइबर, पेलेट्स, फिल्म्स और फ्रैगमेंट्स पाये गये। शोध के अनुसार इन माइक्रोप्लास्टिक्स का आकार 0.1 मिमी से 5 मिमी के बीच पाया गया। सबसे अधिक माइक्रोप्लास्टिक्स की मात्रा आयोडीन युक्त नमक में पाई गई, जो मल्टीकलर के पतले फाइबर और फिल्म्स के रूप में थे। जाँच रिपोर्ट के अनुसार, चीनी के नमूनों में, माइक्रोप्लास्टिक्स की मात्रा 11.85 से 68.25 टुकड़े प्रति किलोग्राम तक पाई गई, जिसमें सबसे अधिक मात्रा गैर-ऑर्गेनिक चीनी में पाई गई। वहीं ग़ौरतलब है कि नमक के नमूनों में प्रति किलोग्राम माइक्रोप्लास्टिक्स की मात्रा 6.71 से 89.15 टुकड़े तक पाई गई। आयोडीन वाले नमक में माइक्रोप्लास्टिक्स की सबसे अधिक मात्रा (89.15 टुकड़े प्रति किलोग्राम) और ऑर्गेनिक रॉक सॉल्ट में सबसे कम (6.70 टुकड़े प्रति किलोग्राम) पाई गई। उल्लेखनीय है कि इस विषय पर किए गए पिछले शोधों में पाया गया है कि औसत भारतीय हर दिन 10.98 ग्राम नमक और लगभग 10 चम्मच चीनी का सेवन करता है, जो कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की तय सीमा से काफी अधिक है। ऐसे में यदि हमारे शरीर में माइक्रोप्लास्टिक भी प्रवेश कर रहा है तो यह हमें कितना नुक़सान पहुँचाएँगे इसका अंदाज़ा नहीं लगाया जा सकता। माइक्रोप्लास्टिक के कण मानव शरीर में मिलावटी भोजन के अलावा हवा और पानी के ज़रिये भी प्रवेश कर सकते हैं। एक अन्य शोध में यह भी पता चला कि माइक्रोप्लास्टिक मानव शरीर में फेंफड़े, हृदय जैसे अन्य महत्वपूर्ण अंगों में बड़ी आसानी से प्रवेश कर लेते हैं। इतना ही नहीं एक शोध में यह भी पाया गया कि नवजात व अजन्में बच्चों में भी माइक्रोप्लास्टिक प्रवेश कर चुके हैं।

चिंता का विषय यह है कि भारत में निर्मित चीनी और नमक में इतनी मात्रा में मिलने वाले ऐसे तत्व क्यों पाये जा रहे हैं? क्या ऐसी स्टडी पहली बार हुई है? इससे पहले भी कई तरह के शोध मिलावटी उत्पादों को लेकर हुए हैं। क्या उन पर उचित कार्यवाही की गई? क्या सरकार ने ऐसे कड़े नियम बनाए कि ऐसी गलती करने पर निर्माताओं के ख़िलाफ़ कड़ी क़ानूनी कार्यवाही की जाए? वैज्ञानिक शोध का मतलब स्पष्ट रूप से यही होता है कि जिस भी शोध में कुछ भी हानिकारक पता चले, उसे जनता के सामने पेश किया जाए। परंतु क्या ऐसे शोध को केवल जनता के सामने लाने से ही समस्या का हल निकल जाएगा? यदि उपभोक्ता जागरूक हो जाए और देश के सरकारी विभाग इस बात को सुनिश्चित कर लें कि किसी भी हाल में जनता को मिलावटी उत्पाद नहीं बेचे जा सकते, तो शायद स्थिति कुछ बेहतर हो। परंतु हमारे देश में जहां हर काम भ्रष्टाचार के %पेपर वेट' के सहारे होता है वहाँ कब, क्या और कितना होगा यह बताना मुश्किल है ? फ़िलहाल हर उपभोक्ता को जागरूक होना ज़रूरी है। इसके साथ ही देश में %टॉक्सिक्स लिंक' या अन्य सचेत एनजीओ का होना भी ज़रूरी है जो जनहित में ऐसे शोध जनता के सामने लाते हैं। आनेवाले समय में देखना यह होगा कि देश भर में काम कर रही ऐसी तमाम एनजीओ के शोध को सरकार कितनी गंभीरता से लेती है।

भारतीय समाज की पहचान का प्रश्न

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

जाहिर है विभाजन का यह तरीका अवैज्ञानिक था, लेकिन ब्रिटिश अधिकारियों को इन प्रश्नों की चिंता नहीं थी हिंदू की पहचान को लेकर बहस कभी बंद नहीं होती। इस बहस की शुरुआत भारत में अरबों, तुर्कों, मुगलों, पुर्तगालियों व अंग्रेजों के आने के बाद ही शुरू हुई। उससे पहले इस प्रश्न पर बहस नहीं होती थी। ये सभी विदेशी हमलावर या तो इस्लाम पंथ को मानने वाले थे या फिर ईसाई मत को मानने वाले थे। इन लोगों का सामाजिक-सांस्कृतिक व राजनीतिक जीवन इन दोनों में से किसी एक रिलीजन से समग्र रूप में संचालित होता था। उनकी पहचान के आधार भी निश्चित थे/हैं। जो व्यक्ति न्यू टैस्टामैंट में विश्वास करता है, ईसा मसीह को परमात्मा का पुत्र मानता है और चर्च में जाकर पूजा करता है, वह ईसाई है। इसी प्रकार इस्लाम पंथ को मानने वालों की पहचान भी निश्चित थी। जो व्यक्ति हजरत मोहम्मद को अल्लाह का रसूल मानता है, कुरान शरीफ को स्वीकारता है, मस्जिद में जाकर ईश्वर की इबादत करता है, वह इस्लाम पंथ को मानने वाला यानी मुसलमान है। जाहिर है जब एक निश्चित स्थान पर जाकर पूजा करता है तो वहां पूजा का कर्मकांड करवाने वाला भी चाहिए। इस्लाम पंथ में यह पूजा पाठ करवाने वाला मुल्ला मौलवी था। हर मस्जिद का एक मौलवी निश्चित था। उसे वायज, मीरवायज या इमाम कहा जाता था। इसी प्रकार ईसाई पंथ में पूजा का स्थान चर्च कहलाने लगा और वहां पूजा पाठ करवाने वाला व्यक्ति पादरी कहलाने लगा। लेकिन धीरे ईसाई पंथ में पूजा करवाने वाले लोगों की एक पूरी संगठित जमात खड़ी हो गई जिसका मुखिया पोप कहलाता है। जब ये हमलावर हिंदुस्तान में आए तो सबसे पहले तो इन्होंने ईसाई पंथ व इस्लाम पंथ की तर्ज पर हिंदू को भी एक पंथ या रिलीजन ही मान लिया। उसके बाद ये लोग इस रिलीजन की पहचान करने का प्रयास करने लगे। हिंदू, जिसे इन्होंने रिलीजन समझ लिया था, उसकी पहचान समझने के लिए इन्होंने अपने अपने रिलीजन के पैमाने ही प्रयोग करने शुरू किए। लेकिन मामला पकड़ में नहीं आ रहा था क्योंकि भारतीय/हिदू समाज को समझने के लिए जिन कारकों का प्रयोग किया जा रहा था, वे कारक ही गलत थे। यह संकट प्रत्यक्ष रूप में 1881 में सामने आया जब ब्रिटिश सरकार ने भारतीयों की कुल जनसंख्या की गणना करने के लिए एक नया विभाग स्थापित किया। जनगणना करवाना तो आसान काम ही था। लेकिन सरकार ने लगे हाथ मजहब/रिलीजन के आधार पर भी संख्या जान लेना जरूरी समझा। इसलिए जनगणना फार्म में रिलीजन को लेकर तीन कॉलम बनाए गए। हिंदू/मुसलमान/ईसाई। जाहिर है इससे स्पष्ट पता चल गया कि हिंदुस्तान में 712 के बाद से देश में कितने लोग मुसलमान या ईसाई बन गए हैं। एटीएम (अरब-तुर्क-मुगल) मूल के मुसलमानों के सात-आठ सौ साल के शासन के दौरान कुछ करोड़ भारतीय/हिंदू भी मतांतरित हो गए थे। अंग्रेजों के शासनकाल में कुछ भारतीय ईसाई भी हो रहे थे। जाहिर है उनकी संख्या भारतीयों/हिंदुओं के मुकाबले बहुत कम ही थी। सबसे बड़ी बात यह थी कि 1885 में कांग्रेस की स्थापना और 1905 में मुस्लिम लीग की स्थापना के बाद अंग्रेज शासकों ने मजहब के आधार पर कुछ सीमित संख्या में भारतीयों को भी स्थानीय प्रशासन में हिस्सेदारी देना शुरू कर दिया था। तब एटीएम मूल के मुसलमानों को जिनका शासन समाप्त हो चुका था, इस बात की चिंता हुई कि संख्या के कारण अब उनको सत्ता मिलने की संभावना कम हो गई थी। इसलिए सबसे पहला काम तो उन्होंने भारतीय मुसलमानों को भी अपने खेमे में जोडने या हांकने के प्रयास शुरू किए। लेकिन इसके बावजूद उनकी संख्या भला कितनी हो सकती थी? इसलिए दूसरा प्रयास किसी तरह से हिंदुओं की संख्या कम करने के प्रयास किए। लेकिन यह काम अंग्रेज शासकों की मदद के बिना नहीं हो सकता था क्योंकि अब सत्ता तुर्कों-मुगलों के हाथ में नहीं थी, बल्कि इंग्लैंड के गोरों के हाथ में थी। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए बकौल बाबा साहिब अंबेडकर, एटीएम मूल के आगा खान ने 1910 की जनगणना से पहले वायसराय को एक ज्ञापन दिया। उसके उपरांत ब्रिटिश सरकार ने जनगणना के प्रत्यक्ष और परोक्ष दो पैमाने निर्धारित किए। परोक्ष पैमाना तो यह था कि ब्रिटिश सरकार ने हिदू समाज को सीमित करते हुए हिंदू केवल उसी को माना जो 'जाति व्यवस्था' से संचालित था, जबकि वस्तुस्थिति यह थी/है कि हिंदू समाज का बहुत बड़ा हिस्सा जाति व्यवस्था से बाहर है। एक नई अवधारणा स्थापित करने का प्रयास पहली बार हुआ कि सभी भारतीय/हिंदू जाति व्यवस्था से संचालित हैं। मूल रूप से यह अवधारणा ही गलत है। सभी भारतीय/हिंदू जाति व्यवस्था से संचालित नहीं हैं। हिंदू समाज का बहुत बड़ा हिस्सा जाति व्यवस्था से संचालित नहीं है। मध्य भारत, पूर्वोत्तर भारत में अधिकांश समुदाय मसलन मिजो, कुकी, खासी, गारो, निशी, शेरदुखपेन, संथाल, गोंड, पश्चिमोत्तर भारत में भोट, बलती जाति व्यवस्था से संचालित नहीं हैं। इस निराधार अवधारणा को आधार बना कर जनगणना अधिकारियों ने हिंदू को पहचानने के लिए नई कसौटियां बनाईं।

जो मुख चिल्ला सकता है, वही मुख नम्रता को भी प्रदर्शित कर सकता है : आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज

आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज आगम अनुकूल चर्या एवं ज्ञान से नमोस्तु शासन को जयवंत कर रहे हैं

नांदणी (विश्व परिवार)। 21 वी सदी के दूरदृष्टा, अध्यात्मयोगी एवं चर्या शिरोमणी आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज वर्तमान में श्रमण संस्कृती के सुविख्यात एवं बहुआदरीत संत हैं। आप अंतिम तीर्थंकर एवं वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी की परंपरा में हुए आचार्य आदिसागर अंकलिकर जी, आचार्य महावीरकीर्ती जी, आचार्य विमल सागर जी एवं आचार्य सन्मती सागर जी महाराज जी की निर्ग्रंथ वितरागी दिगंबर जैन श्रमण परंपरा के प्रतिनिधी गणाचार्य विरागसागर महाराज जी से दीक्षित उनके बहूचर्चित श्रमण शिष्य हैं और अपनी आगम अनुकूल चर्या एवं ज्ञान से नमोस्तु शासन को जयवंत कर रहे हैं।

दिगंबराचार्य विशुद्ध सागर जी ने कहा- अहिंसा धर्म का पालन करें, जिस तंत्र को एक्टिव कर व्यक्ति आक्रामक हो जाता है, उसी तंत्र को सकारात्मक रूप से एक्टिव कर व्यक्ति नरम हो सकता है। अर्थात जिससे गरम, उसी से नरम। जो मुख चिल्ला सकता है, वही मुख नम्रता को भी प्रदर्शित कर सकता है।

लोग अपना अस्तित्व बचाए रखें- जैन मुनि ने अपने प्रवचन में कहा कि जो मनुष्य अपना अस्तित्व खो देता है वह भाई के साथ नहीं रह सकता है। उन्होंने कहा कि लक्ष्मण ने अपना अस्तित्व बचाये रखा इसलिए राम के साथ रह सके। लोगों को सताकर और रुलाकर जो संपत्ति अर्जित की जाती है, उसका भोग नहीं कर सकते। वह संपत्ति बचता नहीं है, लेकिन जो भाग्य से अर्जित की जाती है, उसका भोग सुख-समृद्धि से कर सकते हैं। विवेक से अर्जित की गई संपत्ति उसकी आयु लंबी होती है। छल-कपट की संपत्ति विनाश का कारण बनती है। लोगों के भाव पर निर्भर करता है संस्कृति का उत्थान व पतन- उन्होंने कहा कि स्वभाव और आचरण मनुष्य को आकर्षित करता है। किसी भी जगह का तीर्थ भूमि होना महत्वपूर्ण नहीं होता है। उस भूमि पर बैठकर तप करना महत्वपूर्ण है। संस्कृति के उत्थान एवं पतन मनुष्य के भावों पर निर्भर करता है। कहा कि पुण्य करोगे, तो सुख समृद्धि होगी और पाप करोगे, तो दुखी रहोगे। नम्रता, सत्य और अहिंसा को जीवन में करें आत्मसात- आचार्य विशुद्ध सागर महाराज जी ने जैन दर्शन को विश्व का सबसे प्रामाणिक एवं वैज्ञानिक दर्शन बताते हुए अपने व्यवहारिक जीवन ने नम्रता, सत्य एवं अहिंसा धर्म को आत्मसात करने का आह्वान किया। -**अभिषेक अशोक पाटील**

पाप से डरो और निर्भीक होकर जिओ : मुनिश्री प्रमाण सागर जी महाराज

इंदौर (विश्व परिवार)। पाप से डरो और निर्भीक होकर जिओ, उपरोक्त उद्गार मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने मोहता भवन रैसकोर्स रोड़ पर सोलहकारण भावना की पांचवीं भावना अभीक्ष्ण संवेग भाव पर व्यक्त किये उन्होंने कहा संसार में सु:ख-दु:ख, संयोग- वियोग, हांनी- लाभ जय -पराजय, यश-अपयश सभी कर्माधीन है, आप इसे बदल तो नहीं सकते लेकिन समता पूर्वक सहकर कर्मो की निर्जरा अवश्य कर सकते है जिसके तत्व के प्रति दृण विश्वास होता है, वह संसार से डरता नहीं, बल्कि डटकर जीता है, तथा उन पापों से डरता है जो आत्मा को अपवित्र और खोखला बनाती है, जो ऐसी दुष्कर्म और दुश्प्रवत्तीओं से डरता है उसी का नाम संवेग भाव है मुनि श्री ने चार बातें भागना भोगना जागना और त्यागना पर विचारों को रखते हुये कहा कि परिस्थितियों से घबडाकर भागकर जाओगे कंहा? कर्म तुम्हारा पीछा छोड़ने बाले हें नहीं, भागने से जीवन नहीं बदल सकता, नकारात्मकता से जीवन नष्ट हो सकता है, जो आत्मा के पतन का कारण बनेगी। डरना ही है तो पाप से डरो उन्होंने कुछ काव्य पक्तियां को कहा कि जीवन का यह दृश्य जगत का एक बहूत गहरा सपना है, जब तक नींद भरी आंखों में तब तक यह दृश्य जगत का अपना है, उतनी ही देर जागकर जी लो जब तक अभी उम्र है बाकी, कोई नहीं किसी का साथी सारी यात्रा बाकी मुनि श्री ने कहा कि निर्भीक होकर तथा डटकर जिओ डरकर नहीं जो डरता है उसे दुनिया और डराती है। बंदर को देखकर यदि तुम भागोगे तो वह तुम्हारे ऊपर और घुर्राएगा तथा हमला करेगा और स्थिर होकर मुकाबला करोगे तो भाग जाऐगा उसी प्रकार परिस्थितियां जब भी तुम्हारे विपरीत हो तो भागो मत उन परिस्थितियों का समता पूर्वक सामना करो और मानकर चलो कि जो भी परिस्थितियां निर्मित हुई है वह मेरे ही अशुभ कर्म के उदय से है उनको भोगना नहीं, उसे काटना है, भोगने में कर्म और बंधते है जब कि समता पूर्वक काटने से कर्म की निर्जरा होती है। मुनि श्री ने कहा कि जब पाप का उदय होता है तो मित्र भीशत्रु बन जाते है और जब कर्म विपरीत होते है तो सबकी बुद्धि भी विपरीत हो जाती है उन्होंने एक पौराणिक कथा सुनाते हुये कहा कि 22 वर्ष तक जिसने पति के वियोग को सहा तथा पुण्य कर्म ने उसे पति से मिलाया लेकिन कर्म ने उस पर ऐसा लांक्षन लगाया कि पति के घर से गर्भवती अंजना को कुल्टा कहकर घर से निकाल दिया कर्मोदय की मार देखिये इधर पति का घर छूटा और उधर पिता के घर में भी आश्रय नहीं मिला लेकिन अंजना ने समता से कर्मोदय मानकर सहा और दृणता के साथ अपने पुत्र कामदेव को जन्म दिया कथा लम्बी है लेकिन सार यह है कि कामदेव के जन्म के साथ ही सारी स्थतियां पलट गई। मुनि श्री ने कहा कि यदि आज की अंजना होती तो क्या करती? सबसे पहले तो वह बकील करती और बकील से सलाह देकर कहती कि डिवोर्स का ऐसा केस बनाओ कि ज्यादा से ज्यादा प्रोपर्टी मिले? जगह जगह जाकर फरियादी बनकर गुहार लगाती, लेकिन अंजना ने कर्मोदय मानकर धैर्य, संयम, और संतोष का परिचय दिया उसने कहा कि किसी का कोई दोष नहीं मेरा ही कर्म है, बाहर से पति का भले ही साथ न मिला हो लेकिन वह मेरे पति परमेश्वर है और जब पुण्य कर्म आया तो बाजी पलट गयी मुनि श्री ने कहा अंजना बड़ी वीरांगना थी कर्म के आगे हार नहीं मानी और चली गयी निर्जन बन में लगातार नौ माह तक रही कर्मों को समता पूर्वक सहा और कामदेव को जन्म दिया और जागकर अपने जीवन को आत्मसात किया उन्होंने संदेश देते हुये कहा कि कर्मोदय आऐं तो रोओ मत, भागो मत, जब तक संसार में जी रहे हो जागते हुये जीओ और अपने दाईत्व को निभाओ जब दाईत्व पूर्ण हो जाऐ तो इस संसार को त्यागकर अपनी आत्मोन्नति का मार्ग चुन लैना चाहिये। उपरोक्त जानकारी प्रवक्ता अविनाश जैन एवं मीडिया प्रभारी राहुल जैन ने देते हुये बताया मुनि श्री के प्रवचन प्रतिदिन 8-30 बजे से मोहताभवन में चल रहे है दौपहर में 3 बजे से गोमटसार तथा समयसार का स्वाध्याय तथा सांयकाल 6 बजे से विश्व प्रसिद्ध शंकासमाधान का कार्यक्रम नियमित चल रहा है।धर्मप्रभावना समिति के अध्यक्ष अशोक डोसी महोत्सव अध्यक्ष नवीन गोधा महामंत्री हर्ष जैन सहित सभी पदाधिकारियों ने सभी नागरिकों से धर्मलाभ लेंने की अपील साधर्मी वंधुओ से की है। -**अविनाश जैन**

संक्षिप्त समाचार

भू-गर्भ से अवतरित भगवान आदिनाथ का नवम् प्रादुर्भाव दिवस धूमधाम से मनाया गया, किये भगवान आदिनाथ के पंचामृत अभिषेक

जयपुर (विश्व परिवार)। खो नागोरियान स्थित श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर शांतिनाथ जी की खोह में 2015 में भूगर्भ से

अवतरित अतिशय कारी भगवान आदिनाथ की प्रतिमा का नवम् प्रादुर्भाव दिवस भक्ति भाव से मनाया गया। राजस्थान जैन युवा महा सभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि इस मौके पर दो दिवसीय आयोजन किया गया। पहले दिन भगवान की महाआरती एवं 48 दीपकों द्वारा ऋद्धि मंत्रों से युक्त भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान किया गया। दूसरे दिन प्रात: मंत्रोच्चार से भगवान के जलाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक एवं शांतिधारा की गई। तत्पश्चात सौधर्म इन्द्र कमल -मंजू वैद के नेतृत्व में भगवान आदिनाथ पूजा विधान का आयोजन किया गया ।इस मौके पर मण्डल पर मंत्रोच्चार करते हुए इन्द्र -इन्द्राणियों द्वारा अष्ट द्रव्य के अर्घ्य चढ़ाएं गये। भक्ति संगीत पर विनोद -दीपिका जैन कोटखावदा, भागचन्द -रेखा पाटनी, संजय - मीनू छाबड़ा, प्रमिला पाटनी सहित समाजसेवी मनोज सोगानी, रवि जैन श्रद्धालुओं ने भक्ति नृत्य किए। अंत में महाअर्घ पश्चात महाआरती की गई। इस मौके पर सहित बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठीजन शामिल हुए। -**विनोद जैन**

रंग परब में लोकनाट्य कलंकार की प्रस्तुति, कलागढ़ है छत्तीसगढ़- निर्देशक विजय मिश्रा

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग की तरफ से रंग परब का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत मुक्त

काशी मंच पर नरेंद्र जलछत्री कृत लोकनाट्य कलंकार का मंचन वरिष्ठ निर्देशक विजय मिश्रा अमित के नेतृत्व में किया गया। नाटक में कलाकारों के जीवन संघर्षों को बखूबी उकेरा गया। बताया गया कि कलाकार को कलंकार कहना अनुचित है। कलाकार समाज के दर्पण होते हैं को विजय मिश्रा ने व्यक्त किया। उन्होंने कहा छत्तीसगढ़ राज्य लोक कलाकारों का गढ़ है। यहां के करीब 29 पद्मश्री विभूतियों में से 18 विभूतियां कला साहित्य जगत से हैं ।यह सिद्ध करता है कलाकार समाज के अलंकार होते हैं। नाटक के प्रमुख पात्रों में नचकार बने नरेंद्र जलछत्री, गुरू मां की भूमिका में संतोष यादव, मां बनी मनीषा खोबरागड़े, झगड़ालू औरतें बनीं नूतन रौशनी साहू और हंसोड़ सरपंच बने विजय मिश्रा के अभिनय की भूरी भूरी सराहना दर्शकों ने की। नाटक का ध्वनि पक्ष कमजोर रहा जो कि दर्शकों को बांधे रखने में बाधक बना। नाटक का लोकनृत्य संगीत पक्ष प्रभावित करता रहा।

छत्तीसगढ़ में अब तक 892.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2024 से अब तक राज्य में 892.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून 2024 से आज 27 अगस्त सवेरे तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1862.9 मिमी और सरगुजा जिले में सबसे कम 492.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर जिले में 895.7 मिमी, बलरामपुर में 1306.8 मिमी, जशपुर में 752.3 मिमी, कोरिया में 914.4 मिमी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 893.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी। इसी प्रकार, रायपुर जिले में 740.6 मिमी, बलौदाबाजार में 928.0 मिमी, गरियाबंद में 838.2 मिमी, महासमुंद में 680.7 मिमी, धमतरी में 778.3 मिमी, बिलासपुर में 839.7 मिमी, मुंगेली में 938.3 मिमी, रायगढ़ में 855.6 मिमी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 520.0 मिमी, जांजगीर-चांपा में 981.6 मिमी, सक्ती 843.0 मिमी, कोरबा में 1199.8 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 903.3 मिमी, दुर्ग में 533.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी।

मुनिश्री प्रणम्य सागर जी महाराज ने कहा- परिवर्तन संसार का नियम है

जयपुर में पहली बार मुनिश्री प्रणम्य सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में चल रहा पार्श्व पुराण का वाचन

जयपुर (विश्व परिवार)। संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मुखारबिन्द से मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर कवि भूधरदास द्वारा विरचित पार्श्वनाथ पुराण के चौथे अधिकार का वाचन किया गया। जिसमें मुनि श्री ने कहा कि हम माने या ना माने, चाहे या ना चाहे परिवर्तन संसार का नियम है। समय के साथ बुद्धि, शरीर व आत्म ज्ञान का विकास जरुरी है। यह संसार असार है। जिसने जन्म लिया है उसका मरण निश्चित है। मृत्यु के दिन का किसी को पता नहीं है कि यह कब आ जाए। वह इसे वैराग्य संकेत समझकर उदासीन हो जाता है।

मुनि श्री ने बताया कि उदासीनता का मतलब मुॅह लटकाना ही नहीं बल्कि अपनी इच्छाओं एवं इन्द्रियों पर अंकुश लगाकर ऊपर उठना है। इन संसार भोगों से आसक्ति का हटना ही उदासीनता है। हम जब कोई आशा करते हैं, वह पूर्ण नहीं होती है तो हताशा में बदल जाती है। हताशा ही निराशा को जन्म देती है। हमें कभी भी निराश नहीं होना चाहिए। चाहे तो उदास हो जाए। इससे पूर्व आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की संगीतमय पूजा की गई। आचार्य समय सागर महाराज एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज का अर्घ्य चढाया गया। तत्पश्चात शिविर में आये अंतरप्पाओं द्वारा संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज एवं आचार्य समय सागर महाराज के चित्र का जयकारों के बीच अनावरण किया गया। भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया। तत्पश्चात मुनि प्रणम्य सागर महाराज के पाद पक्षालन एवं शास्त्र भेट करने का पुण्यार्जन मुनि अक्षय सागर चातुर्मास समिति भाईन्दर के नलिन शाह, ललित जैन, अनिल शाह ने प्राप्त किया। समिति के सांस्कृतिक मंत्री जम्बू सौगानी, सदस्य अशोक छाबड़ा, अशोक गोधा ने अतिथियो को स्मृति चिन्ह भेट कर सम्मानित किया।

समिति के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि इससे पूर्व सभी अतिथियों ने मुनि श्री को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। समिति के संयुक्त मंत्री मनोज जैन ने बताया कि मीरामार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में बुधवार, 28 अगस्त को प्रात: 8:15 बजे श्री पार्श्वनाथ कथा का संगीतमय आयोजन आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की पूजा एवं मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें। मुनि श्री की आहारचर्या प्रात: 9:40 बजे होगी। दोपहर में 3:00 बजे शास्त्र चर्चा होगी। गुरुभक्ति एवं आरती सांय 6:30 बजे एवं वैयावृत्ति रात्रि 8:30 बजे होगी। -**विनोद जैन**

संसार में सारे साधन पाप के हैं, इनसे बचने सतत सावधानी रखना जरूरी : विराग मुनि जी

एमजी रोड स्थित जैन दादाबाड़ी में चातुर्मासिक प्रवचन

रायपुर (विश्व परिवार)। संसार में सारे पाप के साधन हैं, जिसमें हिंसा के भाव है। इनसे बचने के लिए मनुष्य को सतत सावधानी रखना जरूरी है। एमजी रोड स्थित श्री जैन दादाबाड़ी में विनय कुशल मुनिजी महाराज साहब के पावन सानिध्य में चल रहे चातुर्मासिक प्रवचन में विराग मुनि महाराज साहब ने ये बातें कही। उन्होंने कहा कि जीव अनादिकाल से भटक रहा है। इस जगत में सब क्षणिक है। सब कुछ जाने वाला है। पुण्य से बहुत कुछ मिलता जरूर है, लेकिन उन चीजों का वियोग भी निश्चित है। परिवार मेले जैसा है। मिलना संयोग और छोड़कर जाना वियोग है। जीव जानता है सब अनित्य है, किन्तु जब तक हैं तब तक पाप कार्य में लगा रहेगा। यही मिथ्या भावना है। उन्होंने श्रीराम, लक्ष्मण व सीता का उदाहरण विस्तार से समझाया। गुरुदेव ने कहा कि लोग मोहिनी कर्म के वश में आ जाते हैं। मुनिश्री ने कहा कि द्रव्य सामायिक या भाव सामायिक में किसी को सांसारिक सलाह देते है, तो हमें भी उस पाप के भागीदार बन जाते हैं। यदि हम भाव पूर्वक सामायिक करते हैं, तो हमारे अंदर आत्म विश्वास जागेगा। आनंद की अनुभूति होगी कि प्रभु आज मैं आपके काफी निकट आ गया हूं।

अपने पापों की खुद ही निंदा कर उसका प्रायश्चित भी करें- मुनिश्री ने कहा, सूत्रों के रहस्यों पर गहराई से चिंतन किया जाना चाहिए। स्वाध्याय पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि प्रतिक्रमण में पापों का प्रायश्चित, पापों की निंदा करना एवं अपने द्वारा जो भी पाप किये हैं उसका पश्चाताप होना चाहिए। पापों से घृणा होनी चाहिए। मोक्ष के लिए जिन शासन सुंदर मार्ग है। हम अज्ञानता के कारण दुखों के मार्ग की ओर अग्रसर होते हैं। वास्तविक सुख से दूर हो जाते हैं। दादा गुरुदेव इकतीस का जाप का समापन आज- आत्मस्पर्शीय चातुर्मास समिति के अध्यक्ष पारस पारख और महासचिव नरेश बुरड़ ने बताया कि महान सिद्धि तप के अंतर्गत मंगलवार को 7 के उपवास का पारणा रहा। तपस्या की कड़ी में और भी बहुत से श्रद्धालु अलग-अलग तरह की तपस्याएं कर रहे हैं। मुकेश निमाणी और गौरव गोलछा ने बताया कि जैन दादाबाड़ी में रोज रात 8.30 से 9.30 बजे तक चल रहे दादा गुरुदेव इकतीसा जाप का बुधवार को समापन हो जाएगा। इस मौके पर इंदौर के प्रसिद्ध संगीतकार देवेश भाई द्वारा प्रभु भक्ति की जाएगी। रात 8.30 बजे से प्रवचन हॉल में शुरू होने जा रहे इस कार्यक्रम के दौरान सोने-चांदी के सिक्कों का बंपर ड्रॉ निकाला जाएगा। -**गौरव शर्मा**

जन्माष्टमी के अवसर पर ननिहाल से भेजे गए विशेष परिधान से सुशोभित हुए अयोध्या में श्रीरामलला

बस्तर के शिल्पियों द्वारा बुने गए पीले खादी सिल्क से निर्मित किया गया है विशेष परिधान

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रभु श्री रामलला अयोध्या मे प्राण प्रतिष्ठा के बाद अपनी सम्पूर्ण दिव्यता और आभा से सुशोभित हैं। प्राणप्रतिष्ठा के पश्चात पहली जन्माष्टमी में बस्तर के श्रमसाधकों द्वारा विशेष रूप से तैयार किए गए पीले खादी सिल्क से निर्मित शुभवस्त्र से सुशोभित प्रभु श्री रामलला की अलौकिक छटा दर्शनीय है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पुनीत अवसर पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ स्थल में श्रीरामलला को छत्तीसगढ़ में निर्मित पीली खादी सिल्क से निर्मित वस्त्र धारण कराना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। यह वस्त्र बस्तर के शिल्पियों द्वारा निर्मित है। दंडकारण्य जहां मर्यादा पुरुषोत्तम ने अपने वनवास का अधिकांश समय व्यतीत किया, वहां से भेजा वस्त्र धारण करने का समाचार वास्तव में भावुक करने वाला है। भांचा श्रीराम की कृपा उनके ननिहाल पर बरसती रहे यही कामना है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ जहां के लोगों ने भगवान श्रीराम और माता कौशल्या का सदैव प्रेम और आशीर्वाद पाया है, यहां की माटी में आज भी वही दिव्यता है जो भगवान राम के चरणों से पवित्र हुई है। छत्तीसगढ़ जिसे प्रभु श्री राम के ननिहाल होने का गौरव है यहां पग-पग में प्रभु श्री राम की यादें दिखाई पड़ती है। बस्तर अंचल जिसे दंडकारण्य भी कहा

जाता है, जहां प्रभु राम ने वनवास काल का अधिकांश समय व्यतीत किया है, वहां के शिल्पियों द्वारा कृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर उनके ननिहाल से भेजा गया विशेष परिधान धारण करना छत्तीसगढ़ के जन-जन के लिए गर्व का क्षण है। मामागांव के परंपरागत वस्त्रों में भांचा राम के सुशोभित होने से सभी छत्तीसगढ़वासियों का हृदय गर्व और असीम आनंद से परिपूर्ण है। यह अद्वितीय वस्त्र हमारी परम्पराओं और संस्कारों का प्रतीक है जो भगवान श्री राम और माता कौशल्या को छत्तीसगढ़ की भूमि से जोड़ता है। यह वस्त्र केवल एक परिधान नही, बल्कि हमारी संस्कृति, हमारी परंपरा, हमारी अडिग आस्था और भांचा राम के प्रति हमारे प्रेम एवम श्रद्धा का प्रतीक है।

भांचा राम के यह वस्त्र केवल धागे से नहीं बल्कि उनके ननिहाल के भक्तों द्वारा श्रद्धा और स्नेह से बुने गए हैं। बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और छत्तीसगढ़ की अनुपम कला को दर्शाते ये वस्त्र छत्तीसगढ़ वासियों की आस्था और समर्पण का प्रतीक भी है। असली स्वर्ण-चूर्ण से हस्तछपाई की गई यह खादी सिल्क, उन अनगिनत घंटों की मेहनत की साक्षी है, जो बस्तर के शिल्पकारों ने भगवान राम के प्रति अपनी अनन्य भक्ति में समर्पित करते हुए बिताए हैं।

'भांचा राम' के रूप में श्रीराम का प्रेम और आशीर्वाद यहाँ के लोगों के हृदय में सदैव प्रवाहित होता रहा है। छत्तीसगढ़ की पावन माटी आज भी उस स्नेह और श्रद्धा को संजोए हुए है, जिससे माता कौशल्या ने अपने पुत्र को संस्कारित किया। यह वही धरती है जहां श्रीराम ने अपने वनवास के समय अपार प्रेम और सम्मान पाया, यहाँ का एक एक कण आज भी भांचा राम और माता कौशल्या की अनुपम गाथा को संजोए हुए है।

उल्लेखनीय है कि श्री कृष्ण जन्मोत्सव का पर्व अयोध्या में अत्यंत भव्य तरीके से मनाया गया। प्रभु श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात यह पहली जन्माष्टमी है, जिसे लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और उमंग देखा गया। जन्मोत्सव के लिए मंदिर की रंग-बिरंगे फूलों से आकर्षक सजावट के साथ ही भोग के लिए पंजीरी, पंचामृत और अनेकों व्यंजन तैयार किये गये। इस पावन अवसर पर कीर्तन, भजन का आयोजन भी किया गया।

राधाकृष्ण मंदिर में जन्माष्टमी पर्व की रही धूम, सुमधुर भजनों से झूमे लोग

नवापारा राजिम (विश्व परिवार)। नगर के हृदय स्थल गांधी चौक के पास स्थित सेठ चतुर्भुज भागीरथ अग्रवाल द्वारा नगर को समर्पित राधाकृष्ण मंदिर को जन्माष्टमी के पावन पर्व पर आकर्षक ढंग से सजाया गया था ।बंदनवार, गुब्बारे, तोरण पताके, एवम केले व सेवफल से सजाएं गए थे।

भगवान राधाकृष्ण को बहुत ही खूबसूरत नए वस्त्र धारण कराए गए थे ।प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सालासर सुन्दरकाण्ड हनुमान चालीसा जनकल्याण समिति का संगीतमय भजन संध्या का आयोजन किया गया था जिसे सुनकर भक्तगण झूमने नाचने लगे ।मंदिर प्रांगण में श्रद्धालुगण दर्शन करने एवम सालासर समिति के द्वारा प्रस्तुत भजनों का आंनद लिया ।अपार भीड़ के कारण मंदिर में पैर रखने तक की जगह नही थी। सालासर समिति केसंस्थापक राजू काबरा ने जिसके घर मे लड्डू गोपाल, ले ले बीमा श्याम नाम का, ओ मम्मी करदे तू तैयार, नेमी साहू ने संकट कटने वाला है, बाटो बधाई आई जन्माष्टमी आई, हल्ला हो गया, लड्डू बटे नगरिया, सुमित पंजवानी ने नटखट नटखट नंन्दकिशोर, गुलाब ने मीठी मीठी बंशी बाजे, कुमारी मोहिनी साहू ने जरा फूलों से सजा दो गोकुल को, एवम डॉली निसाद ने सारी दुनिया मे आनन्द छायो के अलावा अन्य भजनों की प्रस्तुति दी, भक्तगण बैठना ही भूल गए और हर भजनों में नाचने लगे, यहां तक मंदिर परिवार के मोहन लाल अग्रवाल का स्वास्थ्य ठीक नही होने के बाद भी झूम रहे थे।

गोपाल गिरधारी अग्रवाल तो हर भजन में झूम रहे थे एवम बार बार कलाकारों का उत्साह बढ़ा रहे थे। श्रोता तालिया बजाने लगे, जैसे ही घड़ी का कांटा 12 के पास पहुचने लगा स्वागतम कृष्णा से जग के पालनहार कृष्ण कन्हैया का स्वागत होने लगा और उसी समय अंधेरा छा गया एवम कुछ ही देर में मंदिर जगमगा उठा एवम मंद मंद मुस्कराते कान्हा ने जन्म लिया सबको दर्शन दिया ।आज जिसने भी इस अलौकिक दृश्य को देखा अपने भाग्य की सराहना करने लगे। तत्पश्चात भगवान को गंगाजल, पंचामृत से स्नान कराकर माखन मिश्री, पंजीरी का भोग लगाकर आरती की गई, इस ऐतिहासिक क्षण को हर कोई मोबाइल में कैद कर रहे थे।

इसके बाद सभी भक्तों को भोग प्रसाद वितरण किया गया। आज की भीड़ से मंदिर प्रांगण भी छोटा पड़ गया। मंदिर ट्रस्टियों ने सभी भक्तों को जन्माष्टमी पर्व की बधाई देते हुवे सबके लिए मंगलकामना की।

संक्षिप्त समाचार

गाजर घास उन्मूलन के लिये चलाया गया अभियान

सुकमा(विश्व परिवार)। कृषि विज्ञान केंद्र में घास उन्मूलन जागरूकता सप्ताह में बताया गया कि गाजर घास विदेशी घास है जो मानव एवं अन्य जीवों के स्वास्थ्य ही नहीं बल्कि पर्यावरण को भी आघात पहुंचा रहा है। इसके स्पर्श मात्र से ही खुजली, एलर्जी और चर्म रोग एवं अस्थमा जैसी गंभीर बीमारियां पैदा हो सकती हैं। यह एक शाकीय पौधा है जो किसी भी वातावरण में तेजी से उगकर मानव एवं प्रकृति के सभी जीवों के लिए गंभीर समस्या बनती जा रही है। इसके उन्मूलन के लिए गंभीर प्रयास करने की आवश्यकता है। इसी तारतम्य में कृषि विज्ञान केन्द्र, सुकमा द्वारा 16 से 22 अगस्त 2024 तक गाजर घास उन्मूलन जागरूकता सप्ताह मनाया गया। इसके अंतर्गत पौध रोग विशेषज्ञ राजेन्द्र प्रसाद कश्यप, कार्यक्रम सहायक मत्स्य डॉ. संजय राठौर एवं चिराग परियोजना के एस.आर.एफ यमलेश्वर भोयर ने पुजारीपाल, धोबनपाल, गुडरा, गंजेनार, कवासीरास, नीबूपदर एवं मुरतोन्डा इत्यादि गांवों में जाकर किसान भाईयों एवं स्कूली छात्रों को गाजर घास के उन्मूलन हेतु जागरूक किया। उन्होंने बताया कि इस खरपतवार में ऐस्क्युटरपिन लेक्टोन नामक विषाक्त पदार्थ पाया जाता है, जो फसलों की अंकुरण क्षमता और विकास पर विपरीत असर डालता है। इसके परागकण पर परागित फसलों के मादा जनन अंगों में एकत्रित हो जाते है, जिससे उनकी संवेदनशीलता समाप्त हो जाती है।

बाइक चोर चढ़ा पुलिस के हत्थे

धमतरी(विश्व परिवार)। जिले के कुरूद थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए मोटर सायकल चोरी के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से चोरी गई मोटर सायकल भी बरामद कर ली गई है। बता दें कि 17 अगस्त 2024 को प्रार्थी संतोष ध्रुव ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनकी मोटर सायकल एच.एफ डिलक्स, नंबर सीजी 05 एसी 9694, को अज्ञात चोर द्वारा उनके घर के सामने स्थित चर्रा रोड, डबरा पारा, वार्ड क्र. 08 कुरूद से चोरी कर लिया गया था। पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस ने प्रार्थी और गवाहों के बयान दर्ज किए और घटना स्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद, मोटर सायकल और आरोपी की तलाश शुरू की गई। मुखबिर की सूचना पर, पुलिस ने संदेही हितेश कुमार सेन 28 वर्ष निवासी कुण्डेल चौकी को ग्राम नारी में मोटर सायकल के साथ पकड़ा। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया और मोटर सायकल के कागजात भी गवाहों के समक्ष पेश किए।

अवैध शराब बेचते बुजुर्ग गिरफ्तार

धमतरी(विश्व परिवार)। धमतरी जिले की भखारा थाना पुलिस ने अवैध शराब बेचने के मामले मे एक बुजुर्ग व्यक्ति को गिरफ्तार किया है तथा उसके पास से कुल 28 पौवा देशी शराब एवं बिक्री रकम जप्त कर धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की है। मिली जानकारी के अनुसार भखारा पुलिस को मुखबिर के सूचना मिली कि राज कुमार निषाद ग्राम कुर्रा अपने खोमचा दुकान में अवैध रूप से शराब रखकर बिक्री कर रहा हैं। सूचना के आधार तत्काल भखारा पुलिस द्वारा मौके पर रेड कार्यवाही करते हुए राजकुमार निषाद पिता स्व. गप्पु लाल निषाद उम्र 60 वर्ष निवासी कुर्रा के कब्जे से एक लाल रंग के प्लास्टिक बोरी के अन्दर 28 पौवा देशी प्लेन शराब किमत 2520 रूपये एवं बिक्री रकम 450 रूपये को जप्त किया तथा आरोपी के विरूद्ध धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत वैधानिक कार्यवाही कर न्यायिक रिमांण्ड पर भेजा गया है।

छात्रा कुमारी रश्मि कलमू ने की राष्ट्रपति से मुलाकात

सुकमा(विश्व परिवार)। राष्ट्रपति से राष्ट्रपति भवन में रक्षाबंधन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जिले की कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय छिंदगढ़ की छात्रा कुमारी रश्मि कलमू मुलाकात कर दिल्ली से वापस आने पर, उसका संस्था में स्वागत किया गया। छात्रा रश्मि ने बताया कि 19 अगस्त को रक्षाबंधन का कार्यक्रम था जिसमें बच्चों ने माननीय राष्ट्रपति महोदया को राखी बांधी एवं समस्या छात्राओं में राष्ट्रपति से अपने क्षेत्र के सांस्कृतिक धरोहर एवं शैक्षिक उपलब्धि पर चर्चा करते हुए मुलाकात की। 20 अगस्त को टीम ने दिल्ली के प्रमुख दर्शनीय स्थल संरक्षण संस्थाओं का भ्रमण किया। जिसमें राष्ट्रपति भवन, संसद भवन , लाल किला, कुतुब मीनार,लोटस टेंपल, राजघाट जमा मस्जिद , इस्कॉन मंदिर और महत्वपूर्ण स्थल शामिल है। संस्था में आयोजित कार्यक्रम में सभी ने छात्रा की सुनहरे भविष्य की शुभकामनाएं दी। विद्यालय अधीक्षक श्रीमती विशाखा कश्यप ने बताया कि रश्मि के दिल्ली से वापस आने और माननीय राष्ट्रपति से मुलाकात के सुनहरी यादों को अपने साथियों शिक्षक को समस्त कर्मचारी से साझा किया।

शिक्षक एम. परमेश्वर सिंह ने वृक्षारोपण से प्रकृति प्रेम को किया प्रदर्शित

आकांक्षी ब्लॉक कोंटा में फलोद्यान को बढ़ावा देने हो रही सार्थक पहल

सुकमा(विश्व परिवार)। दक्षिण भारत से लगे होने के कारण छत्तीसगढ़ प्रदेश के सुकमा जिले की जलवायु आम के लिए बहुत ही अनुकूल मानी जाती है। सुकमा जिले के विकासखण्ड कोन्टा के कई किसानों ने आम वृक्ष लगाकर सफलता हासिल किया है। जिला प्रशासन के पहल से जिले के किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत करने की दिशा में काम किया जा रहा है। सामुदायिक उद्यान से वृक्षारोपण को तेजी से महत्व दिया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा नीति आयोग के सहयोग से कोंटा ब्लॉक के अंदरूनी क्षेत्रों में सामूहिक रूप से आम के फसल को करवाने का फैसला लेते हुए जगह का चिन्हांकन कर इस वर्ष सफलतापूर्वक पौधारोपण करवाया गया है। ये कहानी जिला मुख्यालय से लगभग 80 किलोमीटर दूर कोन्टा ब्लाक में एक शिक्षक एम परमेश्वर सिंह की है, जिन्हें प्रकृति से बहुत प्रेम है उन्हें फलदार पौधा लगाना बहुत पसन्द है। जिसके कारण उन्हें वनप्रेमी शिक्षक के नाम से जाना जाता है। ऐसे तो शिक्षक श्री सिंह

अपने जीवन में कई उद्यान निर्माण कर चुके हैं। उनका मानना है कि कोंटा ब्लाक मुख्य रूप से आम की खेती के लिए यहाँ की जलवायु के अनुरूप उपयुक्त माना जाता है यहाँ की मिटटी में आम की उपज में बहुत ही अच्छा परिणाम मिल रहा है। शिक्षक श्री सिंह कहते हैं कि हमें फलदार पौधों का रोपण करके पर्यावरण को आक्सीजन हेतु संतुलित करने के साथ-साथ हमें लिए फलाहार भी प्राप्त होगा। जिससे किसानों को निश्चित रूप से आय में वृद्धि होगी साथ ही व्यवसायिक कृषि बढ़ेगा। उनका कहाना है कि शासन चाहे तो कोन्टा ब्लाक को आम का हब (घर) बनाया जा सकता है जिसकी क्षमता पूरे छत्तीसगढ़ को आम की मांग को पूर्ति कर सकता है। कलेक्टर श्री हरिस. एस ने कहा कि दूरस्थ वंनाचल ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में लोग तेजी से आगे बढ़ने के साथ ही उनके अजीविका को आगे बढ़ाना है। उन्होंने समूह को प्राथमिकता देकर आधुनिक तरीके से फलोद्यान कराया गया है। किसानों को पारंपरिक कृषि के साथ ही फलोद्यान की दिशा में काम करने को कहा, ताकि किसान आर्थिक रुप से ज्यादा सक्षम हो सकेंगे। कलेक्टर श्री हरिस. एस के निर्देशन में कोंटा ब्लॉक के ग्राम करिगुण्डम ग्राम पंचायत एलमागुण्डा, ग्राम बुर्कापाल ग्राम पंचायत ताड़मेटला, ग्राम मुकरम एवं ग्राम गोरगुण्डा का चयन कर चारों जगहों में क्रमशः 22 एकड़, 8 एकड़, 20 एकड़ एवं 10 एकड़ कुल 60 एकड़ हर जगह में 5 से 7 किसानों को सामूहिक लाभ दिलाने के उद्देशों से फेन्सिंग (तार), 10 नलकूप खनन, ड्रिप स्थापना सहित साफ-सफाई एवं तीन वर्ष के 8 से 10 फिट के बैगनपल्ली ग्राफ्टेड़ पौधों के साथ ही आम, नींबू और नारियल के पौधों का रोपण कराया गया है। शिक्षक एवं वनप्रेमी श्री एम. परमेश्वर सिंह कहते हैं कि पहले आम आन्ध्रप्रदेश से आयात करते थे, कोंटा ब्लॉक में किसानों ने आम की फसल करने से वर्तमान में हमें हमने ही जिले की मीठे-ताजा और रसीले आम की फल आसानी से मिल जाते हैं। वे कहते हैं कि पौधारोपण करने से अंदरूनी क्षेत्रों में किसानों को पारंपरिक कृषि के साथ ही फलोद्यान की ओर लोगों को ध्यानाकर्षण करना है। जिससे मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है। इस प्रकार अभी वर्तमान में जितने पेड़ लगाए गए हैं इतने में पूरे जिले को आम खिला सकते हैं। आम रोपण हेतु सबसे अच्छा वातावरण कोंटा ब्लाक का है, यहां आकांक्षी ब्लाक द्वारा अपनी सेवा भी प्रदान किया जा रहा है ऐसे में यहां क्षेत्र में अनुकूल व्यवस्थों को बढ़ावा देते हुए जिला प्रशासन का यह पहल सराहनीय कदम है। शिक्षक एवं वनप्रेमी श्री सिंह ने बताया कि इस प्लांटेशन को सफल बनाने में एपीओ जिला पंचायत श्री कैलाश कश्यप और पीपीआईए फेलो श्री सौरभ कुमार का पौधारोपण करवाने में विशेष सहयोग समय-समय पर मिलता रहा है।

विधायक अजय चंद्राकर ने महतारी को योजना के हितग्रहियों को वितरित किया नीम के पौधे

पचपेड़ी में 3 एकड़ क्षेत्र में लगाए गए एक पेड़ मां के नाम से के तहत 10 हजार पौधे

धमतरी(विश्व परिवार)। विधायक कुरूद अजय चंद्राकर के मुख्य आतिथ्य में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, आस- पास के ग्रामीणों एवं स्कूली बच्चों के द्वारा आज पचपेड़ी स्थित 3 एकड़ क्षेत्र में 10 हजार पौधे एक पेड़ मां के नाम से रोपण किया गया। जिसमें जाम, जामुन, नीम, टिकोमा, सिंदूरी, अर्जुन, आम, सीताफल, इमली, आंवला एवं अन्य प्रजातियों के मिश्रित पौधों का रोपण किया गया। उक्त कार्यक्रम में वनमंडलाधिकारी श्रीकृष्ण जाधव, संयुक्त वनमंडलाधिकारी मनोज विश्वकर्मा, संलग्नाधिकारी बी के लकरा, वन परिक्षेत्र अधिकारी धमतरी ओमकार

सिन्हा, सहायक परिक्षेत्र अधिकारी कुरुद महेन्द्र रघुवंशी, सहायक परिक्षेत्र अधिकारी दक्षिण धमतरी राकेश कुमार तिवारी, सहायक परिक्षेत्र अधिकारी उत्तर धमतरी हरीश देवांगन, सहायक परिक्षेत्र अधिकारी मोगरागहन राजेश वर्मा, अर्जुन लाल निर्मलकर सी एफ ओ, सालिक राम साहू सी एफओ, लक्ष्मीकांत साहू बी एफ ओ कुरुद, शशिकांत साहू बी एफ ओ, हर्ष सिन्हा बी एफ ओ, नारायणी बारला बी एफ ओ,गुनेश्वरी साहू बी एफ ओ, राकेश रणसिंह, दीपक टंडन, डेमन निर्मलकर, बंटी जाधव, हेमचंद सिन्हा, रमेश साहू, कोमल चेलक, गिरधारी एवं वन विभाग के अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

अपर कलेक्टर ने ली राजस्व अधिकारियों की बैठक

बिना अनुमति के मुख्यालय से बाहर रहने वाले अधिकारियो पर की जाएगी कार्यवाही

धमतरी(विश्व परिवार)। कलेक्टर नम्रता गांधी के निर्देश पर अपर कलेक्टर जी आर मरकाम ने आज कलेक्टरेट सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की बैठक ली। अपर कलेक्टर श्री मरकाम ने कहा कि राजस्व विभाग का कार्य विस्तृत है इसलिए जिम्मेदारियां भी अधिक है। उन्होंने तहसीलदार और नायब तहसीलदारों से कहा कि बिना पूर्व अनुमति के मुख्यालय से बाहर ना जाये, बिना अनुमति के बाहर जाने वालों के विरुद्ध कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशानुरूप आमजनों को सेवाएं देना हमारा कर्तव्य है, इसलिए राजस्व संबंधी ऐसे मामले जिनका निराकरण शीघ्र किया जा सकता है, उन्हें तत्काल निराकृत करें। बैठक में एसडीएम धमतरी विभोर अग्रवाल एसडीम नगरी पवन प्रेमी एसडीएम कुरूद दीनदयाल मंडावी सहित अन्य राजस्व अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में अपर कलेक्टर श्री मरकाम ने जिले में चल रहे अन्य पिछड़ा वर्ग सर्वे मतदाता सूची का प्रकाशन कार्यक्रम की प्रगति की जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह स्वयं फॉर्म भरने की प्रक्रिया का अवलोकन करें ताकि उन्हें पता चल सके कि फॉर्म भरने के दौरान क्या-क्या दिक्कतें आती हैं और कितना समय लगता है। श्री मरकाम ने राजस्व विभाग अंतर्गत समय सीमा से बाहर प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने कहा। श्री मरकाम ने बताया कि शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं की समीक्षा कलेक्टर द्वारा प्रतिदिन की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने नामांकन बटवारा और सीमांकन के कार्यों को समय सीमा में पूरा करने कहा।

अवैध शराब बेचने वाले आरोपी के विरुद्ध की गई वैधानिक कार्यवाही

धमतरी(विश्व परिवार)। धमतरी पुलिस थाना कोतवाली एवं सायबर टीम ने अवैध शराब बेचने वाले आरोपी के विरुद्ध की गई वैधानिक कार्यवाही करते हुए एक व्यक्ति के कब्जे से कुल 42 पौवा देशी शराब कीमत 4040 रूपये बिक्री रकम 400 रूपये जप्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार धमतरी पुलिस,थाना सिटी कोतवाली को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी ज्ञानेंद्र गिरी गोस्वामी पिता पुरुषोत्तम गिरी गोस्वामी उम्र 45 वर्ष साकिन ग्राम जुगदेही थाना भखारा अपने डेलीनीड्स के दुकान में अवैध रूप से शराब रखकर बिक्री कर रहा हैं कि सूचना के आधार पर थाना प्रभारी सिटी कोतवाली एवं सायबर टीम द्वारा तत्काल शराब रेड कार्यवाही कर आरोपी ज्ञानेंद्र गिरी गोस्वामी के कब्जे से एक सफेद रंग के प्लास्टिक बोरी के अन्दर 39 पौवा देशी प्लेन शराब कीमती 2610 रूपये एवं 13 पौवा देशी मसाला किमती 1430 रूपये कुल 42 पौवा शराब जुमला कीमती 4040 रूपये एवं बिक्री रकम 400 रूपये कुल जुमला किमती 4440 रूपये को जप्त किया गया एवं आरोपी के विरुद्ध थाना सिटी कोतवाली मधारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही कर न्यायिक रिमांण्ड पर भेजा गया है।

बोहला बांध की खुबसूरती देखने उमड़ा जनसैलाब

रामानुजगंज(विश्व परिवार)। नगर सीमा से महज 1 किलोमीटर दूरी पर स्थित नगर के जलस्तर को बनाए रखने वाली रामानुजगंज जलाशय जिसे सब बोहला बांध के नाम से जानते हैं। 30 वर्षों के बाद यहा लबा लब पानी भरा है। पानी भरने के बाद रामानुजगंज जलाशय की खूबसूरती देखते बन रही है। सुबह से लेकर देर शाम तक यहां की खूबसूरती देखने के लिए लोगों का भीड़ उमड़ रही है रामानुजगंज के साथ-साथ पड़ोसी राज्य झारखंड एवं पूरे जिले से लोग यहां घूमने पहुंचे रहे हैं। गौरतलब है कि रामानुजगंज जलाशय विगत 3 दशकों से उपेक्षा का दंश क्षेल रहा है। जल संसाधन विभाग के भ्रष्टाचार एवं अकर्मणय रवैया के कारण क्षेत्र के अधिकांश जलाशय एवं एनीकट की स्थिति अत्यंत खराब है। प्रत्येक वर्ष जल संसाधन विभाग के द्वारा करोड़ों रुपए खर्च किए जाते हैं परंतु जलाशयों एवं एनीकट की स्थिति जश के तश रह रही है। रामानुजगंज के जल स्तर को बनाए रखने वाली बोहला बांध के मरम्मत के नाम पर बीते 3 दशकों में करोडो रुपए के खर्च हुवे।जो भ्रष्टाचार भेंट चढ़ गय। बांध की स्थिति नहीं सुधरी बीते गर्मी के समय में तो स्थिति ऐसी हो गई थी कि लग रहा था कि बांध सूख जाएगा परंतु बारिश के बाद बांध की स्थिति सुधरी और बीते 15 दिनों से बोहला बांध लबालब पानी से भर गया है जिससे इसकी खूबसूरती देखते बन रही है। जल संसाधन विभाग यदि ध्यान देता तो स्वरूप कुछ और होता........ पूरे नगर वासियों के द्वारा एवं जनप्रतिनिधियों के द्वारा रामानुजगंज जलाशय की गंभीर स्थिति को देखते हुए जल संसाधन विभाग से इसकी सुध लेने की मांग की थी। परंतु विभाग के अधिकारी देखने तक नहीं गए यदि बांध पर ध्यान दिया जाता तो अभी तस्वीर कुछ और होती। दो तात्कालिक कलेक्टर सहित चार आईएएस रामानुजगंज जलाशय बदलना चाहते थे तस्वीर..... बलरामपुर रामानुजगंज जिले के सबसे बड़े शहर रामानुजगंज सीमा से नजदीक नगर के जल स्तर बनाए रखने वाले एकमात्र बांध की सुध तात्कालिक कलेक्टर एलेक्स पाल अवनीश शरण एवं तात्कालिक एसडीएम एवं युवा आईएएस रितेश अग्रवाल जगदीश सोनकर ने ली थी। वह यहां की तस्वीर बदलना चाहते थे एवं इसके लिए पहल भी किए थे परंतु सभी के समय के साथ स्थानांतरण के बाद जल संसाधन विभाग भी सो गया।

मेहनत,समर्पण से कार्य करे सफलता निश्चित मिलेगी : सांसद महेश कश्यप

बीजापुर(विश्व परिवार)। बीजापुर प्रवास के दौरान बस्तर सांसद महेश कश्यप ने सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर एवं उद्यमिता विकास अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं से एजुकेशन सिटी स्थित डाईट में संवाद किया। सांसद को अपने बीच पाकर युवाओं में उत्साह का माहौल निर्मित हुआ। वहीं सांसद कश्यप युवाओं के साथ संवाद करते हुए प्रसन्न हुए और अपने जीवन वृतांत भी साझा किया। सांसद कश्यप ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी ने छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना की। मध्यप्रदेश से अलग होकर छत्तीसगढ़ राज्य में विकास की गति में तेजी आई। बस्तर जैसे जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र में निरंतर विकास सड़क,बिजली,पानी शिक्षा, रोजगार जैसे बुनियादी सुविधाएं मिली। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी सोच और विकासमूलक योजनाओं से भारत आज विकसित देश बनने की ओर

अग्रसर है। भारत को विकसित देश बनाने में युवाओं का बहुत बड़ा योगदान है। शासन के योजनाओं और जिला प्रशासन के अभिनव पहल से आज 200 युवाओं को संबोधित करते हुए मुझे बहुत हर्ष हो रहा है कि मेरे बस्तर, बीजापुर के युवा आज उद्यमिता विकास से स्वरोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे है। वहीं सोशल मीडिया के माध्यम से शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए अग्रसर हो रहे है। निश्चित ही बदलाव की बयार है अब बीजापुर भी बदल रहा है प्र्गति के पथ पर निरंतर आगे बढ़ने के लिए युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि मैं भी सामान्य परिवार से संबंध रखता हूं। खेती किसानी का कार्य करते हुए आगे बढ़ा हूं और अपने मेहनत लगन समर्पण और बस्तर की जनता से प्रेम और सहयोग से बस्तर संसदीय क्षेत्र का सांसद बना हूं । हमेशा कड़ी मेहनत, सकारात्मक सोच और सीखने की प्रवृत्ति होना चाहिए जिससे हम आगे बढ़ सकते है।

देशी कटटा दिखाकर लोगो को डरा रहा युवक पकड़ाया

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। जिले की बसंतपुर थाना पुलिस ने अपने पास में लोहे का देशी कट्टा रखकर आम लोगों को आतंकित कर रहे एक युवक को गिरफ्तार किया है। बता दें कि पुलिस अधीक्षकमोहित गर्ग के निर्देशन एंव अति पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा ,नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक के मार्गदशन मे थाना क्षेत्र मे अवैध शराब जुआ सटटा,अवैध हथियार रखने वालो के विरूध कार्यवाही के निर्देशन पर थाना बसंतपुर प्रभारी सत्यनारायण देवांगन द्वारा टीम गठित कर लगातार थाना क्षेत्र मे भ्रमण कर भ्रमण के दौरान सायबर टीम की सहायता एंव मुखबीर के सूचना के आधार पर सोमवार को आरोपी रविकांत सोनी पिता मनोज सोनी उम्र 24 साल निवासी सृष्टि कालोनी गली नंबर 01 बसंतपुर जिला राजनांदगांव को सृष्टि कालोनी रोड किनारे देशी कटटा दिखाकर आम लोगों को डराने धमकाने पर उनके विरूध आर्म्स एक्ट की धारा 25,27 के तहत कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार कर न्यायायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

व्यापार समाचार

सैमसंग गैलेक्सी A55 5G, गैलेक्सी A35 5G सर्कल टू सर्च के साथ अब 25999 रुपये में उपलब्ध

गुरुग्राम। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज गैलेक्सी A55 5G और गैलेक्सी A35 5G स्मार्टफोन्स की अभूतपूर्व कीमतों की घोषणा की है। गैलेक्सी A55 5G और गैलेक्सी A35 5G सैमसंग के मोबाइल में किये गये प्रमुख आविष?कारों का सबसे बेहतरीन नमूना पेश करते हैं। अब इनमें सर्कल टू सर्च विद गूगल, एक फीचर भी जोड़ दिया गया है। सीमित अवधि की पेशकश के तहत, गैलेक्सी ए55 5जी 33999 रुपये की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध होगा, जबकि गैलेक्सी ए35 5जी 25999 रुपये के शुरुआती कीमत पर उपलब्ध होगा। गैलेक्सी A55 5G और गैलेक्सी A35 5G में कई खास विशेषताएं हैं जिनमें गोरिल्ला ग्लास विक्टस+, एआई द्वारा उन्नत कैमरा फीचर्स, सैमसंग नॉक्स वॉल्ट, चार ओएस अपग्रेड और पांच साल के सेफ्टी अपडेट शामिल हैं। ग्राहक इन स्मार्टफोन को प्रमुख बैंकों के क्रेडिट कार्ड का उपयोग करके खरीदने पर गैलेक्सी A55 5G पर 6000 रुपये और गैलेक्सी A35 5G पर 5000 रुपये का आकर्षक बैंक कैशबैक प्राप्त कर सकते हैं। वे छह महीने तक की ईएमआई का भी लाभ उठा सकते हैं। ग्राहक गैलेक्सी A55 5G पर 6000 रुपये तक और गैलेक्सी A35 5G पर 5000 रुपये तक के अपग्रेड बोनस का भी आनंद ले सकते हैं। हालांकि, ग्राहक बैंक कैशबैक या अपग्रेड बोनस में से किसी एक ही का लाभ उठा सकते हैं।

ल्यूमिनस पावर टेक्नोलॉजीज़ अपने सोलर समाधानों के साथ छत्तीसगढ़ को ऊर्जा की दृष्टि से कुशल एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए तैयार

रायपुर: भारत की प्रमुख उर्जा समाधान कंपनी ल्यूमिनस पावर टेक्नोलॉजीज़ पिछले 35 सालों से देश भर के उपभोक्ताओं को ऊर्जा के आधुनिक समाधान उपलब्ध कराते हुए इनोवेशन एवं स्थायित्व में अग्रणी रही है। अपनी आधुनिक परियोजना निष्पादन क्षमता तथा सोलर प्रोडक्ट्स एवं सर्विसेज़ की व्यापक रेंज के साथ ऊर्जा समाधानों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए कंपनी ने छत्तीसगढ़ के ऊर्जा परिवेश में बदलाव लाने के लिए अपने आप को मजबूती से स्थापित कर लिया है। हाल ही में ल्यूमिनस पावर टेक्नोलॉजीज़ ने छत्तीसगढ़ के सरकारी अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठकों में हिस्सा लिया, जिनमें छत्तीसगढ़ सरकार के माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जयसवाल, CREDA के सीईओ श्री राजेश सिंह राणा तथा ऊर्जा सेक्टर से अन्य प्रमुख सरकारी अधिकारी शामिल थे। सौर ऊर्जा की क्षमता पर विचार-विमर्श के लिए आयोजित इन बैठकों में श्री अमित शुक्ला, सीनियर वाईस प्रेज़ीडेन्ट एवं कंट्री बिज़नेस हैड, ल्यूमिनस पावर टेक्नोलॉजीज़- ने ल्यूमिनस के व्यापक सौर ऊर्जा समाधानों तथा क्षेत्र की ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए इनकी क्षमता, विश्वसनीयता एवं उपयुक्तता पर रोशनी डाली। ल्यूमिनस सौर उत्पादों, समाधानों एवं आधुनिक परियोजना प्रबन्धन क्षमताओं की व्यापक रेंज लेकर आती है। ल्यूमिनस का उद्देश्य ऐसे व्यापक सौर समाधान पेश करना है जो रिहायशी, कमर्शियल एवं ओद्यौगिक सेगमेन्ट्स की विभिन्न ज़रूरतों को पूरा कर सकें। राज्य सरकार द्वारा संचालित संस्थानों और हेल्थकेयर जैसे सेक्टरों में सौर ऊर्जा को अपनाने से, राज्य के कार्बन फुटप्रिन्ट को कम करने एवं स्थायित्व को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। सोलर इन्वर्टर कैटेगरी की रेंज के कुछ प्रमुख प्रोडक्ट्स हैं- सोलरवर्टर, सोलरवर्टर प्रो, सोलर एनएक्सई, एनएक्सजी, एनएक्सजी प्रो और जीटीआई एनएक्सआई।

पीएसयू शेयर का छप्परफाड़ रिटर्न

नई दिल्ली(एजेंसी)। निवेश आप कहीं पर भी करें लेकिन आपकी हमेशा चाहत यही रहती है कि रिटर्न अच्छा मिले. ऐसा ही दमदार रिर्टन दिया है कुछ सरकारी कंपनियों के शेयरों ने. इन्हें पीएसयू शेयर कहते हैं. बीएसई पीएसयू इंडेक्स काफी तेजी से ऊपर गया है. सिर्फ एक साल में ही यह इंडेक्स करीब 100प्रतिशत बढ़ गया है. इसकी वजह कुछ पीएसयू कंपनियों के शेयरों की कीमत में तेजी से आया इजाफा है. एक रिपोर्ट के अनुसार तीन पीएसयू कंपनियों के शेयर ने दो साल में जबरदस्त मुनाफा दिया है. अगर आपने इन कंपनियों में एक लाख रुपये का निवेश किया होता तो आज यह बढ़कर 10 लाख रुपये के करीब हो गया होता. इन कंपनियों में सबसे ज्यादा तेजी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स के शेयर में आई है. इस शेयरों की कीमत जून 2024 तक 234.85 से बढ़कर 3,968.25 रुपये तक पहुंच गई है. इस हिसाब से इसमें 1,590त्न की बढ़ोतरी है. कोचीन शिपयार्ड और रेल विकास निगम लिमिटेड ने भी 1,000प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दिया. आसान शब्दों में यही कह सकते हैं कि यदि आपने दो साल पहले इन कंपनियों के शेयर में एक लाख रुपये लगाए होते तो आज आपके पास 10 लाख रुपये हो जाते. सरकारी कोशिशों के कारण पीएसयू स्टॉक (सरकारी कंपनियां) वापसी कर रही हैं. इन कोशिशों में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, ज्यादा सरकारी खर्च और अच्छा प्रशासन शामिल है. इसका फायदा कई पीएसयू कंपनियों को हुआ है, जिनके शेयरों की कीमत 500प्रतिशत से 950प्रतिशत तक बढ़ गई है. उदाहरण के लिए, फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स ट्रावनकोर, इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉर्पोरेशन, हाउसिंग × अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन जैसी कंपनियों के शेयरों में भी काफी तेजी आई है. कुल मिलाकर, पिछले कुछ समय में बीएसई सेंसेक्स 50प्रतिशत बढ़ा है, वहीं पीएयू कंपनियों का बाजार हिस्सा वित्तीय वर्ष 2022 में 10.5प्रतिशत से अब 17.5प्रतिशत तक पहुंच गया है. मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज का मानना है कि आने वाले समय में सरकारी कंपनियों का मुनाफा बढ़ने वाला है. उनका दावा है कि जैसे मजबूत ऑर्डर बुक और कच्चे माल की ऊंची कीमतें. साथ ही, सरकार भारत में चीजें बनाने और डिफेंस सेक्टर में स्वदेशीकरण पर जोर दे रही है, जिसका फायदा इंडस्ट्रियल पीएसयू कंपनियों को मिलेगा और उनकी कमाई और बाजार मूल्य में और इजाफा होगा.

ओलंपिक में क्यों नहीं जीत सकीं पदक? विनेश फोगाट जल्द करेंगी खुलासा

नई दिल्ली(एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में गोल्ड मेडल से चूक गईं भारती स्टार पहलवान विनेश फोगाट का दावा है कि वह जल्द ही देश के सामने सच्चाई का खुलासा करने वाली हैं. विनेश देश के सामने अपनी बात को रखते हुए वह यह बताएंगी कि उनके साथ आखिरकार क्या हुआ. विनेश के अनुसार, वे जल्द ही आप सबके सामने आएंगी और पूरी बात को रखने वाली हैं. बड़ा सवाल यह कि क्या फाइनल बाउट से पूर्व विनेश के खिलाफ किसी तरह की साजिश रची गई थी ? आपको बता दें कि विनेश फोगाट ओलंपिक में अपनी भागीदारी से पहले भाजपा के पूर्व सांसद और भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन में उतरीं थी. वह प्रदर्शन वाले पहलवानों का खास चेहरा थीं. ऐसे में इस बात को लेकर काफी उत्सुक्ता है कि आखिरकार विनेश पेरिस ओलंपिक में अपने साथ के अनुभव पर क्या कहने वाली हैं. इस पर विनेश का कहना है कि मौजूदा समय में मैं इस बारे में बस इतना कहना चाहती हूं कि जल्द ही इसे लेकर पूरी बात रखूंगी. आपको बता दें कि पेरिस ओलंपिक में 50 किग्रा महिला फ्रीस्टाइल में विनेश फोगाट फाइनल मुकाबले तक पहुंच गई थीं. मगर फाइनल मैच से कुछ घंटे पहले नियमा अनुसार उनका वजन जब मापा गया तो यह तय सीमा से 100 ग्राम ज्यादा निकला. इसकी वजह से विनेश फोगाट को इस इवेंट से अयोग्य घोषित किया गया. विनेश ने इस मामले को लेकर कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स में चुनौती दे डाली. मगर कोर्ट में भी फैसला विनेश के खिलाफ गया. ऐसे में विनेश न केवल गोल्ड मेडल से चूकीं बल्कि उनको सिल्वर मेडल में भी नहीं दिया गया. इस विनेश ने पेरिस ओलंपिक के दौरान ही कुश्ती से अपने संन्यास का ऐलान कर दिया. हाल ही में विनेश फोगाट पेरिस से भारत लौट आईं. दिल्ली एयरपोर्ट से लेकर घर तक उनका शानदार स्वागत किया गया. रविवार को रोहतक में विनेश के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन हुआ. सर्व खाप पंचायत ने गोल्ड मेडल से उन्हें सम्मानित किया. भारत में उनका सम्मान एक गोल्ड मेडलिस्ट के रूप में हुआ था. सर्वखाप पंचायत के पदाधिकारी ने अपने ऐलान में कहा कि विनेश फोगाट के साथ ये अन्याय हुआ है. सरकार ने विनेश के लिए पैरवी भी नहीं की है. मगर खाप विनेश फोगाट का सम्मान करती है. ऐसे में पूरे हरियाणा, उत्तर प्रदेश व दिल्ली से खाप प्रतिनिधियों की ओर से विनेश को सम्मानित किया गया है.

रमीज राजा ने बांग्लादेश से पाकिस्तान को मिली करारी हार का भारत से जोड़ा कनेक्शन

नई दिल्ली(एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पूर्व अध्यक्ष रमीज राजा ने रविवार को बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में मिली हार के बाद शान मसूद की कप्तानी की आलोचना की है। रावलपिंडी की पिच पर प्लेइंग-11 से स्पिनरों को बाहर रखने का बांग्लादेश टीम का फैसला हैरान करने वाला था। इस बात को लेकर रमीज राजा ने भी टीम और कप्तान की कड़ी आलोचना की। पाकिस्तान चार तेज गेंदबाजों और बिना किसी मुख्य स्पिनर के साथ मैदान पर उतरा, जिसका खामियाजा उसे मैच के अंतिम दिन भुगतना पड़ा। बांग्लादेश के स्पिनर मेहदी हसन मिराज और शाकिब अल हसन ने मेजबान टीम को दूसरी पारी में 146 रन पर ढेर कर दिया, जिससे उसे पाकिस्तानी धरती पर इतिहास रचने के लिए मात्र 30 रन का लक्ष्य मिला। मेहमान टीम ने आसानी से इस छोटे लक्ष्य को हासिल किया और 10 विकेट से जीत दर्ज की। रमीज राजा ने कहा कि पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों ने अपनी चमक खो दी है और उनकी गति भी कम हो गई है, जिससे वो कम घातक हो गए हैं। रमीज राजा ने पाकिस्तान की हार का भारतीय टीम से कनेक्शन जोड़ा, अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो में कहा, सबसे पहले, टीम के चयन में गलती हुई। आप स्पिनर के बिना थे। दूसरा, जिस प्रतिष्ठा के आधार पर हम अपने तेज गेंदबाजों पर निर्भर हैं, वह खत्म हो गई है। यह शर्मनाक है, जो एशिया कप के दौरान शुरू हुआ जब भारत ने सीमिंग परिस्थितियों में हमारे तेज गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दी थी। इस तरह यह रहस्य दुनिया के सामने आ गया कि इस लाइन-अप का मुकाबला करने का एकमात्र तरीका आक्रमण करना है।

विराट कोहली को थोड़े और समय तक टेस्ट की कप्तानी रखनी चाहिए थी: संजय बांगर

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत के सबसे सफल टेस्ट कप्तानों में शुमार विराट कोहली के इस प्रारूप की कप्तानी को छोड़ने को लेकर भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगर ने बड़ा बयान दिया है।बांगर ने उनके कप्तानी छोड़ने के फैसले को सही न मानते हुए कहा कि कोहली को थोड़े और समय के लिए कप्तान बने रहना चाहिए था क्योंकि उनके पास टेस्ट में कप्तानी का अच्छा अनुभव था। बांगड़ ने कहा, मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि उन्हें थोड़े और समय के लिए टेस्ट क्रिकेट कप्तान बने रहना चाहिए था क्योंकि उन्होंने संभवत: 65 टेस्ट मैचों में भारत की कप्तानी की है और मुझे लगता है कि उन्हें आगे जारी रहना चाहिए था।उन्होंने कहा, विराट इस बात से प्रेरित थे कि भारत को विदेशों में अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा। क्योंकि भारत में हम जानते थे कि 75 प्रतिशत समय भारतीय टीम ही जीतती है। बांगर ने कोहली की फिटनेस को लेकर कहा, कोहली ने खुद को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए चुनौती दे रखी है। उन्होंने खुद फिटनेस का उच्चतम स्तर हासिल किया और अपनी शारीरिक सीमाओं को चुनौती दी। उन्होंने सबसे कठिन परिश्रम किया।उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि उन्होंने कप्तान के रूप में उस अवधि के दौरान अधिकतम रन बनाए और उनमें वह जज्बा भी था। वह टीम के साथियों को भी फिटनेस बनाए रखने के लिए प्रेरित करते थे। बता दें कि कोहली ने साल 2022 में दक्षिण अफ्रीका के दौरे से पहले टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ दी थी।कोहली के नेतृत्व में भारत ने 65 में से 40 टेस्ट मैच जीते हैं, जो किसी भी भारतीय कप्तान की तौर पर सबसे ज्यादा हैं।उन्होंने पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की 27 जीत के आंकड़े को पीछे छोड़ दिया था।

यूपीएस को लेकर आया बड़ा अपडेट, इस राज्य सरकार ने सबसे पहले लागू की नई पेंशन स्कीम

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्र सरकार की तरफ से यूनिफाइड पेंशन स्कीम को मंजूरी मिलने के बाद महाराष्ट्र ने इसे लागू कर दिया है. इसके साथ ही महाराष्ट्र सरकारी कर्मचारियों को यूपीएस की पेशकश करने वाला सबसे पहला राज्य बन गया है. मोदी सरकार ने यूनिफाइड पेंशन स्कीम पर शनिवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान ऐलान किया था. महाराष्ट्र सरकार ने यूपीएस को लागू करने के साथ ही एनपीएस से यूपीएस में स्विच करने का ऑप्शन भी दिया है. महाराष्ट्र में यह फैसला राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले लिया गया है. आपको बता दें केंद्र की तरफ से यूपीएस को मंजूरी दिये जाने के बाद केंद्रीय कर्मचारी संगठन राज्य सरकारों से इसे लागू करने की मांग कर रहे थे. यूपीएस के तहत कर्मचारियों को पिछले 12 महीनों के औसत बेसिक सैलरी का 50त्न पेंशन के रूप में दिया जाएगा. इसमें इंफ्लेशन एडजस्टमेंट की भी सुविधा है. यह फैसला ऐसे सरकारी कर्मचारियों की मांग को पूरा करने के लिये लिया गया है, जिनकी नियुक्ति साल 2004 और उसके बाद हुई है. केंद्र सरकार की नई पेंशन योजना से 23 लाख कर्मचारी फायदा उठा सकते हैं. अगर सभी राज्य इस योजना को लागू करते हैं तो 90 लाख से ज्यादा कर्मचारियों को इसका फायदा मिलेगा. कर्मचारी नेताओं ने राज्यों से नई पेंशन स्कीम को लागू करने की मांग की है. उन्होंने कहा कि राजनीतिक पार्टियों को इस मामले पर राजनीति नहीं करनी चाहिए. हालांकि कर्मचारी पहले वाली ओल्ड पेंशन स्कीम को सबसे बेहतर मानते थे, लेकिन वे नई योजना से भी खुश हैं. ऑल इंडिया रेलवेमैन फेडरेशन और जेसीएम की राष्ट्रीय परिषद के सचिव (स्टाफ साइड) शिव गोपाल मिश्रा ने कहा कि हमें समझदारी से काम लेना चाहिए. हमें यह देखना चाहिए कि हम क्या पा सकते हैं और सरकार क्या दे सकती है. नई पेंशन योजना में पुरानी पेंशन के नियमों में से 90त्न को शामिल किया गया है, इसलिए हम खुश हैं. सरकार एकमुश्त मिलने वाले पैसे पर काम कर रही है, यह कर्मचारियों को नौकरी छोड़ने के समय मिलेगा. मिश्रा ने कहा कि इस हालात में नई पेंशन योजना से बेहतर कुछ नहीं हो सकता है.

जोमेटो ने लॉन्च किया नया फीचर, दो दिन पहले एडवांस में कर सकेंगे का ऑर्डर, इन शहरों में यह सुविधा

नई दिल्ली(एजेंसी)। फूड डिलीवरी ऐप जोमेटो ने एक नया फीचर लॉन्च किया है जो ग्राहकों को दो दिन पहले ऑर्डर शेड्यूल करने की सुविधा देगा. यानी ग्राहक दो दिन पहले ही अपने लिए तय समय और जगह के लिए खाना बुक कर सकते हैं. कंपनी के सीईओ और संस्थापक दीपिंदर गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस नए फीचर के बारे में जानकारी दी है. अभी यह फीचर कुछ चुनिंदा शहरों में लॉन्च किया गया है. धीरे-धीरे इस सुविधा को अनय शहरों में भी लॉन्च किया जाएगा. कंपनी के सीईओ द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, ऑर्डर शेड्यूलिंग की सुविधा अभी दिल्ली एनसीआर, बेंगलुरु, मुंबई, अहमदाबाद, चंडीगढ़, लखनऊ और जयपुर में लगभग 13000 आउटलेट्स पर उपलब्ध है. हालांकि, यह सेवा 1000 से अधिक के ऑर्डर के लिए उपलब्ध होगी. जोमैटो ने ऑर्डर शेड्यूलिंग फीचर ऐसे समय में लॉन्च किया है जब हाल ही में कंपनी ने अपनी इंटरसिटी फूड डिलीवरी सेवा %जोमैटो लीजेंड्स% को बंद करने की घोषणा की है. जोमैटो लीजेंड्स को बंद करने की जानकारी देते हुए कंपनी के सीईओ दीपिंदर गोयल ने कहा था कि लगातार दो साल की कोशिश के बाद यह प्रोडक्ट बाजार में फिट नहीं हो पाई. इसी कारण हमने इसे तत्काल प्रभाव से सेवा बंद करने का फैसला किया है चुनिंदा शहरों को चुनने के पीछे की वजह बताते हुए कंपनी के सीईओ ने कहा है कि इन रेस्टोरेंटों में खाना स्टॉक में होता है और इसे तैयार करने की एक कंसिस्टेंसी दिखाई देती है.

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने महिला समानता दिवस पर स्त्री पुरुष बराबरी और सशक्तिकरण के प्रति नई प्रतिबद्धता जताई

बैंगलोर : टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने 26 अगस्त को महिला समानता दिवस के मौके पर अपने कार्यबल में और उससे परे भी,स्त्री पुरुष की बराबरीतथा महिलाओं को सशक्त बनाने कीअपनी दृढ़ प्रतिबद्धता की पुष्टि कीहै। संयुक्त राष्ट्र के ससटेनेबल डेवलपमेंट गोल (सतत विकास लक्ष्यों- एसडीजी), विशेष रूप से एसडीजी5 (लैंगिक समानता) और एसडीजी 8 (सभ्य कार्य और आर्थिक विकास) के साथ तालमेल बैठाते हुए, टीकेएम ने एक समावेशी और विविधतापूर्ण कार्यस्थल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बदलाव लाने वाले कई उपायों की श्रृंखला शुरू की है। अपने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के भाग के रूप में, टीकेएम ने 2030 तक अपने कार्यबल में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाकर30त्न तक करने का लक्ष्य रखा है। इसे प्राप्त करने के लिए, टीकेएम ने मजबूत विविधता, समानता और समावेश (डीईआई) पहल की एक श्रृंखला को लागू किया है। इसमें डीईआई को समर्पित वरिष्ठ स्तर कीएक केंद्रित टीम का गठन, उद्योगों में व्यापक बेंचमार्किंग और महिलाओं के लिए अधिक अवसर पैदा करने के अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के 2030 एजेंडे के साथ तालमेल शामिल है। टीकेएम ने 13 मार्च 2024 को 55 महिला पर्यवेक्षकों के अपने पहले बैच के कैपिंग समारोह के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की।साथ ही टीम में 160 नई महिला सदस्यों को शामिल कियागया। इससे कंपनी में महिलाओं की कुल संख्या 450 से अधिक हो गई और वर्ष के अंत तक 850+ तक पहुँचने की योजना है। टीकेएमने लैंगिक विविधता को बढ़ावा देने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं का विवरण देते हुए एक लैंगिक विविधता मानक संचालन प्रक्रिया मैनुअल भी पेश किया है। अचेतन पूर्वग्रह सर्वेक्षण और संवर्धन संवेदीकरण कार्यक्रम सहित ये प्रयास, एक सहायक, समावेशी पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए टीकेएम के समग्र दृष्टिकोण को रेखांकित करते हैं। येन केवल महिलाओं को सशक्त बनाते हैं बल्कि इसके कार्यबल की समग्र गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता भी बढ़तीहै। इस अवसर पर अपने विचार रखते हुए टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट, वित्त एवं प्रशासन, श्री जी शंकर ने कहा, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर में, हम मानते हैं कि लैंगिक समानता केवल एक लक्ष्य नहीं है, बल्कि हमारी सफलता और स्थिरता का एक महत्वपूर्ण चालक है।

एरोन कंपोजिट लिमिटेड की पब्लिक इश्यू से रु. 56.10 करोड़ जुटाने की योजना; आईपीओ 28 अगस्त को खुलेगा

अहमदाबाद : फाइबर ग्लास रिइंफोर्स्ड पॉलिमर प्रोडक्ट्स के निर्माण और आपूर्ति में लगी अग्रणी कंपनी अहमदाबाद स्थित एरोन कंपोजिट लिमिटेड अपने एसएमई पब्लिक इश्यू से रु. 56.10 करोड़ तक जुटाने की योजना बना रही है। कंपनी को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर अपना पब्लिक इश्यू लॉन्च करने की मंजूरी मिल गई है। पब्लिक इश्यू 28 अगस्त को सब्स्क्रीप्शन के लिए खुलेगा और 30 अगस्त को बंद होगा। पब्लिक इश्यू की आय में से रु. 39 करोड़ का उपयोग गुजरात के महेसाणा में एक विनिर्माण इकाई की स्थापना के लिए पूंजीगत व्यय आवश्यकताओं को पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए किया जाएगा। हेम सिक्योरिटीज लिमिटेड इस इश्यू की बुक रनिंग लीड मैनेजर है। रु. 56.10 करोड़ के आईपीओ में रु. 10 अंकित मूल्य के 44.88 लाख इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू शामिल है। कंपनी ने पब्लिक इश्यू के लिए रु. 121-125 प्रति इक्विटी शेयर के प्राइज बैंड को फिक्स किया है। रिटेल निवेशकों के लिए न्यूनतम लॉट साइज 1,000 शेयर है, जिसका न्यूनतम निवेश रु. 125 प्रति शेयर के ऊपरी मूल्य बैंड पर रु. 1,25,000 है। आईपीओ के लिए रिटेल निवेशक कोटा शुद्ध ऑफर के 35% से कम नहीं रखा गया है, एचएनआई कोटा ऑफर के 15% से कम नहीं रखा गया है और क्यूआईबी हिस्सा ऑफर के 50% से अधिक नहीं रखा गया है। वर्ष 2011 में बनी एरोन कंपोजिट लिमिटेड विभिन्न औद्योगिक उपयोग के लिए तैयार किए गए एफआरपी पुलट्रूडेड प्रोडक्ट्स, एफआरपी मोल्डेड ग्रेटिंग्स और एफआरपी रॉड्स सहित फाइबर ग्लास रीइनफोर्स पॉलिमर प्रोडक्ट्स यानी एफआरपी प्रोडक्ट्स के निर्माण और आपूर्ति के व्यवसाय में लगी हुई है। एफआरपी प्रोडक्ट एक कम्पोजिट मटिरियल है जिसमें फाइबरग्लास, कार्बन या एरामिड जैसे फाइबर के साथ रीइनफोर्स्ड पॉलिमर मैट्रिक्स (रेजिन) होता है। यह संयोजन कई लाभ प्रदान करता है, जिसमें संक्षारण प्रतिरोध, रासायनिक प्रतिरोध, उच्च शक्ति, हल्के वजन का गुण, विद्युत और थर्मल नोन-कन्डक्टिविटी और फेब्रिकेशन में आसानी शामिल है। कंपनी व्यापक समाधान प्रदान करती है जिसमें कन्सेप्च्युअल डिजाइन, प्रोटोटाइप डेवलपमेन्ट, परीक्षण, विनिर्माण, लॉजिस्टिक सपोर्ट, स्थापना और बिक्री के बाद सेवा शामिल है।

विष्णु के सुशासन का असर, हटाया गया अतिक्रमण

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में एक फोन कॉल पर समस्या का समाधान हो रहा है। वार्ड-8 के कचना निवासी संजय गहरे ने कचना स्थित बीएसयूपी कालोनी के आस पास अवैध दुकान संचालन के साथ साथ अतिक्रमण की शिकायत की थी। लेकिन किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं होने के चलते उन्होंने कलेक्टोरेट के जनसमस्या निवारण कॉल सेंटर में फोन किया और बीएसयूपी कालोनी के आस पास संचालित अवैध दुकानों को हटवा कर अतिक्रमण को भी हटवाया गया।

नरेश सिंघई सकल दिगंबर जैन समाज रायपुर के अध्यक्ष बने

रायपुर (विश्व परिवार)। सकल दिगंबर जैन समाज रायपुर के अध्यक्ष का चुनाव दिगंबर जैन मंदिर फाफाडीह में संपन्न हो गया। इस चुनाव में अध्यक्ष का चुनाव सर्वसम्मति से राजधानी रायपुर के समस्त दिगंबर जैन मंदिर के ट्रस्टी एवं अध्यक्षों ने मिलकर पर्ची के माध्यम से किया। उपस्थित ब्रम्हचारी सुनील भईया द्वारा पर्ची निकाल कर नरेश जैन सिंघई के नाम की अध्यक्ष पद के लिए घोषणा कि गई। जिनका अध्यक्ष पद का कार्यकाल एक वर्ष अवधि का होगा। इसमें सर्वसम्मति से समाज के प्रति सक्रिय और मिलनसार युवा रायपुर सकल दिगंबर जैन समाज का अध्यक्ष बनने की खबर मिलते है समाज मे हर्ष की लहर दौड़ गई। नियमत: नवनिर्वाचित अध्यक्ष को अपने अधिकारों का प्रयोग कर अपनी कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए सचिव पद के लिए विकाश सिंघई,कोषाध्यक्ष राजेश सिंघई, के नामो की घोषणा की शेष पदो की घोषणा शीघ्र कर दी जाएगी।निर्वाचित अध्यक्ष नरेश सिंघई द्वारा पिछले 20 वर्षो से दिगबर जैन समाज पर रहकर समाज कल्याण और जैन मंदिर सहित कई अन्य समाजिक कार्यों में निस्स्वार्थ रूप से सहयोग देते आ रहे हैं। नव निर्वाचित अध्यक्ष नरेश सिंघई जो को वर्तमान में डी. डी. नगर स्थित दिगंबर जैन मंदिर के भी अध्यक्ष है।उन्होंने बताया की अपने कार्यकाल में परम पूज्य समाधिस्थ आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के प्रकल्पो को पूरा करने करने एवम उनके दिखाए हुए मार्ग में चल कर समस्त समाज को एक जुट करने का प्रयास करना पहली प्राथमिकता होगी।इस अवसर पर सकल दिगंबर जैन समाज के वरिष्ठगण ब्रह्मचारी सुनील भैयाजी, विनोद बड़जात्या नरेंद्र गुरु कृपा,अरविंद बड़जात्या, प्रदीप जैन विश्व परिवार ,मनीष जैन, राजेश जैन ,अजीत जैन, संजय जैन, सुधीर बाकलीवाल, पवन रारा, अमित गोयल, सुजीत जैन,सुरेश मोदी विजय कस्तूरे,लोकेश जैन,आदि विशेष रूप से उपस्थित थे। **-प्रणीत जैन**

वनमंत्री केदार कश्यप और सांसद ने नारायणपुर जिला के ग्रामों में देवगुड़ी बनाने के लिए किया भूमिपूजन

पोटा केबिन के 69 बालिकाओं को किया साइकिल वितरण

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश के वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, कौशल विकास एवं सहकारिता तथा संसदीय कार्य मंत्री श्री केदार कश्यप और बस्तर लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री महेश कश्यप के द्वारा जिले के ग्रामों में देवगुड़ी बनाए जाने हेतु भूमिपूजन किया गया। देवगांव पोटा केबिन में आयोजित कार्यक्रम में 69 बालिकाओं को सरस्वती साइकिल योजना के तहत साइकिल वितरित किए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि पढ़ाई का समय जीवन में एक बार मिलता है, जिसका सही उपयोग कर अपने जीवन को सुखमय बनाने के लिए अच्छे से पढ़ाई करें और जीवन में परिवर्तन लाएं। जिले के अंदरूनी क्षेत्र से आकर पोटा केबिन जैसे संस्था में रहकर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं बच्चे अपने माता-पिता के लिए एक चिराग के समान हैं। उन्होंने छात्र-छात्राओं से कहा कि अच्छे से पढ़ लिख कर अपने माता-पिता के साथ-साथ पूरे जिले और प्रदेश का नाम रोशन करें। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि गुरुजनों के बताए हुए रास्ते पर चलकर अपने जीवन को साकार बनाएं और मेहनत कर कामयाबी हासिल करें। मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि कठिन परिश्रम करने से जीवन में बदलाव निश्चित ही प्राप्त होती है। पढ़ाई के साथ-साथ कौशल विकास के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने की आवश्यकता है, जिससे हमारे देश को आगे बढ़ाने में सहयोग मिलेगा।

बस्तर लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री महेश कश्यप ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे पूर्वजों ने संस्कृति और परंपरा को बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत की हैं उन्हें बचाए रखना हमारी जिम्मेदारी है। बालिकाओं ने बस्तर के संस्कृति के ऊपर प्रस्तुत कार्यक्रम को देखकर सांसद ने कहा कि मैं अपने पूर्वजों को धन्यवाद ज्ञापित करता हूं जिन्होंने हमारी संस्कृति और परंपरा को संरक्षित रखे। उन्होंने अपने सांसद बनने के बाद पहली बार संसद भवन पहुंच कर बस्तर के विकास के लिए प्रश्न उठाए हैं। उन्होंने बताया कि रेल मार्ग अंतागढ़ से लेकर जगदलपुर तक 126 किलोमीटर बढ़ाने और रायपुर धमतरी से होते हुए केशकाल से जगदलपुर तक और जगदलपुर से दंतेवाड़ा होते हुए बीजापुर से महाराष्ट्र तक रेल मार्ग बनाया जाएगा। सांसद ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया। इस अवसर पर सर्व आदिवासी समाज के संरक्षक रूपसाय सलाम, कलेक्टर बिपिन मांझी, डीएफओ सच्चिदानंद के. सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, स्कूली विद्यार्थी उपस्थित थे।

कृषि मंत्री रामविचार नेताम की उत्तराखंड के कृषि मंत्री गणेश जोशी से सौजन्य भेंट

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने आज नई दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान उत्तराखंड के कृषि मंत्री श्री गणेश जोशी से सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर दोनों मंत्रियों ने अपने-अपने राज्यों में कृषि विकास से संबंधित मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। श्री नेताम और श्री जोशी ने आधुनिक कृषि तकनीकों और सरकारी नीतियों के प्रभाव पर भी चर्चा की, जिसमें किसानों की समस्याओं के समाधान और उनके जीवन स्तर में सुधार के उपायों पर जोर दिया गया। इस भेंट के दौरान दोनों मंत्रियों ने कृषि क्षेत्र में आपसी सहयोग और अनुभवों के आदान-प्रदान की संभावनाओं पर भी चर्चा की, जिससे दोनों राज्यों को लाभ मिल सके।

लेखा प्रशिक्षण सत्र के लिये 01 से 30 सितंबर 2024 के मध्य आवेदन पत्र स्वीकार किए जाएंगें

रायपुर (विश्व परिवार)। संचालनालय कोष, लेखा एवं पेंशन द्वारा आगामी लेखा प्रशिक्षण सत्र के लिये 01 सितंबर से 30 सितंबर 2024 के मध्य की अवधि में आवेदन पत्र स्वीकार किये जायेंगें। इस तिथि के पूर्व एवं पश्चात प्राप्त आवेदन-पत्रों पर विचार नही किया जाएगा। निर्धारित प्रपत्र में आवेदन पत्र के साथ नोटराइज्ड शपथ-पत्र संलग्न होना अनिवार्य है। प्राचार्य शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला से मिली जानकारी के अनुसार लेखा प्रशिक्षण सत्र नवंबर 2024 से फरवरी 2025 के लिए 3 वर्ष की नियमित सेवा पूरी कर चुके लिपिक वर्गीय कर्मचारी अपने कार्यालय प्रमुख के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में के आवेदन पत्र भेज सकते है। यह आवेदन शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला, नगर घड़ी चौक रायपुर को 30 सितंबर 2024 तक कार्यालयीन समय में प्राप्त हो जाना चाहिए। लिपिक वर्गीय कर्मचारी से आशय ऐसे कर्मचारी से है जिनकी पदस्थापना लिपिकीय संवर्ग के पद पर हुई है न कि किसी तकनीकी संवर्गीय पद पर इसी प्रकार केवल सचिवालय, वन विभाग के ऐसे स्टेनो जो केम्प कलर्क के रूप में कार्य करते हो तथा संचालनालय कोष, लेखा एवं पेंशन के स्टेनोग्राफर को छोड़कर अन्य विभागों के स्टेनोग्राफर्स प्रवेश के पात्र नही है।

63वें राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स (महिला-पुरुष) चैंपियनशिप-2024 का कर्नाटक के बैंगलोर में आयोजन में

30 अगस्त से 02 सितम्बर 2024 तक आयोजित

बिलासपुर (विश्व परिवार)। 63वें राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स (महिला एवं पुरुष) चैंपियनशिप-2024 में कर्नाटक के बैंगलोर में दिनांक 30 अगस्त, 2024 से 02 सितम्बर, 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। इस खेल में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे खेल संघ के 12 खिलाड़ी का चयन भारतीय रेलवे टीम का प्रतिनिधित्व हेतु हुआ है, साथ ही साथ प्रशिक्षक के तौर पर श्री श्रीकांत पाढ़ी का भी चयन हुआ है (13 सदस्यीय दल)।

पिछले वर्ष में आयोजित हुए 62वें राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स (महिला एवं पुरुष) चैंपियनशिप 2023 में भाग लेने हेतु 21 सितम्बर, 2023 से 09 अक्टूबर, 2023 को (35 पुरुष व 33 महिला खिलाड़ियों) को 13 प्रशिक्षकों द्वारा (दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में कार्यरत श्रीकांत पाढ़ी सहित) बिलासपुर में प्रशिक्षण दिया गया था।

इस प्रतियोगिता में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के खिलाड़ियों द्वारा वर्ष 2022 में 01 स्वर्ण, 02 रजत 03 पदक एवं वर्ष 2023 में 03 स्वर्ण, 01 रजत व 01 कांस्य = 05 पदक अर्जित किया गया था।

भारतीय रेलवे के साथ ही दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा हमेशा से खेल एवं खिलाड़ियों को प्रोत्साहन दिया जाता रहा है। इसी का परिणाम है कि महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों ने देश के साथ ही दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का भी नाम रौशन किया है। इसके साथ ही साथ दक्षिण पूर्व रेलवे की अन्य खिलाड़ियों ने भी विभिन्न ाष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपनी छाप छोड़ी है।

आगामी 63वें राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स (महिला एवं पुरुष) चैंपियनशिप 2024 हेतु भारतीय रेलवे की टीम एवं उसमें शामिल होने वाले सभी दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के खिलाड़ियों को उनके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे एवं अधिकारियों द्वारा शुभकामनाएँ दी गयीं तथा भविष्य में और भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया गया।

केन्द्रीय इस्पात सचिव संदीप पौड्रिंक ने किया निर्माणाधीन आईओपीपी संयंत्र का निरीक्षण

बचेली (विश्व परिवार)। इस्पात मंत्रालय में सचिव का पदभार संभालने के करीब सप्ताह भर बाद श्री संदीप पौड्रिंक एनएमडीसी परियोजना-किरंदुल व बचेली आये थे । 24 अगस्त, शनिवार को दोपहर के बाद किरंदुल से आने के बाद एनएमडीसी बचेली गेस्ट हाउस आये, जहां बचेली परियोजना के अधिशासी निदेशक, श्री बी. वेंकटेश्वरलु व अन्य विभागध्यक्षों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। तत्पश्चात लोडिंग संयंत्र में लौह अयस्क उत्पाद की गुणवत्ता का निरीक्षण किया।

साथ ही निक्षेप 10,11 ए के नये प्लांट का भी निरीक्षण किया तथा आईओपीपी प्लांट का जायजा लेकर प्रशासनिक भवन में सभी उच्चाधिकारियो के साथ बैठक लिया। अगले दिन सुबह गेस्ट हाउस परिसर में पौधारोपण किया गया। इस्पात सचिव ने बैलाडिला क्षेत्र की प्राकृतिक खूबसूरती की प्रसंशा की तथा निर्माणाधीन आईओपीपी प्लांट को जल्द शुरू करने के लिए अधिकारियों को कहा।

इस्पात सचिव के साथ मंत्रालय के अभिजीत नरेन्द्र, संयुक्त सचिव (आईआरटीएस), अमिताव मुखर्जी, एनएमडीसी के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक अतिरिक्त प्रभार, विनय कुमार, तकनीकि निदेशक, वी. सुरेश, वाणिज्य निदेशक, शरत राजा, उपसचिव इस्पात, परमजीत सिंह, औद्योगिक सलाहाकार आये थे।

अनाधिकृत रूप से रेल पटरी पार करना (ट्रेसपासिंग) एक गंभीर अपराध

ट्रेसपासिंग जैसी गतिविधियों में जान जोखिम के साथ-साथ रेल संरक्षा एवं परिचालन भी होती है प्रभावित

रायपुर (विश्व परिवार)। अनाधिकृत रूप से रेल पटरी पार करना (ट्रेसपासिंग) एक गंभीर अपराध है, जो न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि यह जानलेवा भी हो सकता है। अनधिकृत स्थान से पटरी पार करने पर ट्रेन से टकराने या अन्य दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है, जिसमें जान का जोखिम होता है। इसके साथ ही इस प्रकार की गतिविधि से रेल संरक्षा एवं परिचालन भी प्रभावित होती है।

रेलवे द्वारा अनाधिकृत रूप से रेल पटरी करने वालों की रोकथाम हेतु समय-समय पर जागरूकता अभियान चलाये जाते है, जिसमें लोगों को रेल पटरी पार करने के खतरों के बारे में बताया जाता है। स्कूलों, कॉलेजों में विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। इसके अलावा, उपर्युक्त स्थानों पर चेतावनी संकेत, बैनर-पोस्टर आदि लगाए जाते हैं। स्टेशनों पर पब्लिक एनाउंस सिस्टम द्वारा अनाधिकृत रूप से रेल पटरी पार नहीं करने हेतु संदेश प्रसारित किए जाते हैं। रेलवे द्वारा अनाधिकृत रूप से रेल पटरी पार करने को (ट्रेसपासिंग) रोकने के लिए कई प्रभावी उपाय किए जाते हैं, जिनमें रेलवे पटरियों के किनारे मजबूत फेंसिंग या बैरिकेड्स लगाए जाते हैं ताकि लोग अनधिकृत रूप से पटरियों पर न जा सकें। ये फेंसिंग विशेष रूप से भीड़-भाड़ वाले इलाकों और संवेदनशील जगहों पर लगाई जाती हैं। पटरियों को पार करने के लिए सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराने के लिए रेलवे द्वारा कई स्थानों पर फुट ओवरब्रिज और अंडरपास बनाए गए हैं। इससे लोग आसानी से और सुरक्षित तरीके से पटरियों को पार कर सकते हैं। बड़े रेलवे स्टेशनों पर विशेष पाथवे का निर्माण किया जाता है, जिससे यात्रियों को अधिक सुविधाजनक और सुरक्षित मार्ग उपलब्ध हो सके।

रेलवे स्टेशनों और पटरियों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी मदद से ट्रेसपासिंग करने वालों की पहचान व समझाइस आदि दी जाती है। रेलवे सुरक्षा बल एवं रेलवे पुलिस द्वारा नियमित रूप से पटरियों और स्टेशनों के आसपास गश्त की जाती है। इससे ट्रेसपासिंग की घटनाओं पर नजर रखकर उन्हें रोका जाता है।

अनाधिकृत रूप से पटरी पार करने के मामलों में, रेलवे पुलिस ऐसे व्यक्तियों पर जुर्माना लगा सकती है जो बिना अनुमति के रेल पटरी पार करते हैं। साथ उसके खिलाफ रेल अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई का भी प्रावधान है।

रेल प्रशासन यात्रियों एवं नागरिकों से आग्रह करती है कि अनाधिकृत एवं असुरक्षित रूप से पटरी पार कर अपनी जान जोखिम में न डालें। रेलवे पटरी पार करने के लिए हमेशा उचित स्थानों, जैसे कि पुल, ओवरब्रिज, फूट ओवर ब्रिज या अधिकृत क्रॉसिंग का उपयोग करें।

कृष्ण जन्माष्टमी कार्यक्रम में शामिल हुई मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

रायपुर (विश्व परिवार)। महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े बिश्रामपुर और सूरजपुर में कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर आयोजित मटकी फोड़ कार्यक्रम में शामिल हुई। उन्होंने कहा कि इस उल्लासमयी अवसर पर क्षेत्रवासियों के साथ मिलकर धार्मिक उत्सव की खुशियों को साझा करने का अनुभव अद्वितीय है। हम आशा करते हैं कि आने वाले वर्षों में भी ऐसे ही धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों की सफलता का सिलसिला जारी रहेगा।

इस अवसर पर मंत्री राजवाड़े ने विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत लोगों का सम्मान भी किया। मंत्री राजवाड़े ने कहा कि भगवान श्री कृष्णा को हर व्यक्ति पूजता है और वह हर भक्त का मनोकामना पूर्ण करते हैं।

इनरव्हील क्लब ऑफ रायपुर ग्रेटर ने ड्रॉइंग प्रतियोगिता का किया आयोजन, 15 स्कूलों के 50 बच्चों ने लिया हिस्सा

रायपुर (विश्व परिवार)। इनरव्हील क्लब ऑफ रायपुर ग्रेटर ने मेगनेटो मॉल में ऑर्गन डोनेशन जागरूकता पर एक ड्रॉइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें 15 स्कूलों के 50 बच्चों ने हिस्सा लिया। इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों में ऑर्गन डोनेशन के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें इसके महत्व के बारे में शिक्षित करना था।

सोट्टो छत्तीसगढ़ संगठन से आए डॉक्टर ने उपस्थित लोगों को ऑर्गन डोनेशन के लिए जागरूक किया और इसके लाभों के बारे में बताया। प्रतियोगिता में बच्चों ने ऑर्गन डोनेशन के विषय पर अपनी कला का प्रदर्शन किया। माँ शारदा स्कूल ने प्रथम और द्वितीय पुरस्कार जीते, जिसमें सुजेश हाल्डर ने प्रथम पुरस्कार और खुशबू साहू ने द्वितीय तृतीया पुरुस्कार भाविका पुरस्कार रोहरा ने जीता।

यह आयोजन बहुत ही सफल रहा, जिसमें प्रतिभागी और उपस्थित लोगों ने ऑर्गन डोनेशन जागरूकता में गहरी रुचि दिखाई। इनरव्हील क्लब ऑफ रायपुर ग्रेटर की अध्यक्षपूजा जैन सचिव शीला गुप्ता पीपी शारदा सिंह पीपी अमिता आलुवालिया आईपीपी पुष्पा मालविया क्लब एडिटर रुचिता राव, अलका गुप्ता, अमन ठक्कर, प्रियंका मिश्रा, ज्योति कुमार, गीता जेठानी, प्रज्ञा नायडू, चंदा नगवांसी, रूबी साओ उपस्थित थे।

मैट्स विश्वविद्यालय ने छात्रों की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए वेब स्क्रैपिंग पर कार्यशाला का आयोजन किया

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर स्थित MATS विश्वविद्यालय के सूचना प्रौद्योगिकी स्कूल ने BCA और MCA कार्यक्रमों के अंतिम वर्ष के छात्रों की रोजगार क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से वेब स्क्रैपिंग पर एक व्यापक कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को आज के Data-driven जॉब मार्केट में अत्यधिक मांग वाली वेब स्क्रैपिंग तकनीकों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिसमें पायथन का उपयोग शामिल था।

इस कार्यशाला में डेटा निष्कर्षण, पार्सिंग, और स्वचालन जैसे महत्वपूर्ण विषयों को कवर किया गया, जो प्रतिभागियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान करता है। प्रतिभागियों को विशेष रूप से वेब स्क्रैपिंग के लिए डिज़ाइन किए गए पायथन लाइब्रेरी और टूल्स जैसे कि BeautifulSoup, Scrapy, और Selenium से परिचित कराया गया। इस गहन प्रशिक्षण ने छात्रों को वेबसाइटों से डेटा को कुशलतापूर्वक एकत्रित और संसाधित करने में सक्षम बनाया, जो विभिन्न उद्योगों में अत्यधिक महत्वपूर्ण कौशल है। यह सत्र इस क्षेत्र के अनुभवी विशेषज्ञ श्री हर्ष राज द्वारा संचालित किया गया, और इसे श्री शेखर साहू द्वारा समन्वित किया गया। कार्यशाला का आयोजन आईटी विभाग के प्रमुख और प्रोफेसर डॉ. ओमप्रकाश चंद्राकर के मार्गदर्शन में किया गया।

इस कार्यक्रम का समापन उच्च उत्साह के साथ हुआ, जिसमें महानिदेशक श्री प्रियेश पगारिया ने कार्यशाला को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और उनका अभिनंदन किया। कुलपति प्रो. डॉ. के. पी. यादव और रजिस्ट्रार श्री गोकुलानंद पांडा ने छात्रों को शुभकामनाएँ दीं और उन्हें अपने नए अर्जित कौशल को अपने भविष्य के करियर में लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया।

रामगढ़िया सेवक सभा के द्वारा केरियर काउंसिलिंग पर सेमिनार

रायपुर (विश्व परिवार)। टाटीबंध स्थित महाराजा जस्सा सिंह रामगढ़िया भवन में आमंत्रित छत्तीसगढ़ की प्रथम महिला मिलट्री ऑफिसर कैप्टन गुरमीत कौर जो की सर्टिफाइड कैरियर काउंसलर है उनके द्वारा सिख समाज के 9वी, 10वी, 11वी, 12वी के विद्यार्थियों के साथ उपस्थित अभिभावकों को विभिन्न क्षेत्रों से जुडे कैरियरो के विकल्प में सही चुनाव करते हुए सफल जीवन जीने हेतु मार्ग दर्शन दिया। इस कार्यक्रम का संचालन कवलजीत कौर ने किया। बिक्रम सिंह, राजवंत सिंह गरेवाल, रघुवीर सिंह, मनविंदर सिंह, समाज के अध्यक्ष जसविंदर सिंह राणा, सचिव अटल सिंह, मंजीत सिंह पानेसर, सुरेंद्र सिंह, डॉ माथरु, तेजपाल सिंह, ओंकार सिंह, चरणजीत सिंह, सुरेंद्र सिंह बाड़े, खलविंदर सिंह, सुखदेव सिंह, सरबजीत सिंह, तेजिंदर सिंह व अन्य सदस्य समाज से उपस्थित थे। महिला विंग से हरशरण कौर, कुलदीप कौर, अध्यक्ष प्रदीप कौर, दविंदर कौर, सिमरन कौर उपस्थित थी।

रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल भाटापारा में श्री अखंड रामनाम सप्ताह जुलूस में हुए शामिल

रायपुर/भाटापारा (विश्व परिवार)। रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल मंगलवार को भाटापारा में श्री अखंड रामनाम सप्ताह जुलूस में शामिल हुए। श्री बृजमोहन अग्रवाल ने राम भक्तों और रामायण मानस मंडलियों पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। साथ ही श्रीफल भी भेंट किया। इस दौरान झांकियां भी निकाली गई और मानस मंडलियों ने शानदार प्रस्तुति दी।

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
कॉस्मेटिक सर्जरी
झुर्रियां, झांई, दाग, तिल, अनचाहे बाल आदि (आधुनिक लेजर द्वारा), मुहांसे, दाग, नाक, होंठ, ठोड़ी, वक्ष, पेट आदि (प्लास्टिक सर्जरी द्वारा) तथा अंग कटने-जलने की
अति विशेष चिकित्सा.
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay Advt.

लोन लेने के लिए ITR बनवायें मात्र 500/- में
शेखर गुप्ता
ONLYTDS.COM
ITR GST
हमारे TAX Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
G.S.T. रिटर्न | Food Licence
इन्कम TAX फाईल | M.S.M.E. रजिस्ट्रेशन
TDS रिफंड | प्रोजेक्ट रिपोर्ट
IT नोटिस | डिजिटल सिग्नेचर
9300755544, 8878655544

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354